अखिल भारतीय पल्लीवाल जैन महासभा का मुख पत्र

₹5

श्री पल्लीवाल जैन पत्रिका

सामाजिक चेतना एवं जागरुकता के लिये सजग मासिक पत्रिका

(पल्लीवाल, जैसवाल, सैलवाल सम्बन्धित जैन समाज)

अंक 2 ✦ प्रकाशन तिथि : 25 अगस्त 2020 ✦ वर्ष 9 ✦ कुल पृष्ठ 44 ✦ मूल्य ₹5

छोटा सा संसार,
गलतियां अपार,
आपके पास है
क्षमा का अधिकार,
कर लीजिए
निवेदन स्वीकार

मिच्छामी दुक्कडम्

उTAM क्षMA

स्व. श्री स्वरूप चन्द जी जैन (मारसन्स)

(19 अगस्त 1927 – 31 अगस्त 2016)

जैन समाज के लिये आपका योगदान एवं समाज को एक सूत्र में बांधे रखने का अन्तिम सन्देश सदैव स्मरणीय रहेगा।

आपका प्रेरणामय जीवन हमारे लिए सदैव पथ प्रदर्शक रहेगा।

MARSON'S

ISO 9001:2000 CERTIFIED COMPANY

समस्त परिवारीजन
स्टाफ एवं कर्मचारीगण

MARSON'S ELECTRICAL INDUSTRIES

(Prop. MEI Power Pvt. Ltd.)

www.marsonselectricals.com • E-mail : info@marsonselectricals.com

1/189, Delhi Gate, Civil Lines, Agra-282002 (India)

Ph : +91-562-2520027, 2850812 • Fax : +91-562-2851306

Works :

Mathura Road, Artoni, Agra - 282007 (India)

Ph : +91-2641448, 2642327-28 • Fax : +91-562-2641435

TRANSFORMERS EXPORTED TO OVER 15 COUNTRIES

सामाजिक चेतना एवं जागरुकता के लिये सजग

श्री पल्लीवाल जैन पत्रिका

अखिल भारतीय पल्लीवाल जैन महासभा का मुख पत्र

(पल्लीवाल, जैसवाल, सैलवाल सम्बन्धित जैन समाज)

email : shripalliwaljain.patrika@gmail.com

मूल्य ₹ 5/-

अंक 2 ✦ 25 अगस्त 2020 ✦ वर्ष 9

कुल पृष्ठ : 44

पूर्व प्रकाशन मथुरा से, सम्प्रति जयपुर से प्रकाशित

महासभा पदाधिकारी

श्री आर.सी. जैन *(अध्यक्ष)*
(सेवानिवृत्त आई.ए.एस.)
एन-19, आदिनाथ नगर, जे.एल.एन. मार्ग,
जयपुर (राज.)-302018
मोबा. : 9414279070, 9829999335
E-mail : rcjainras@gmail.com

श्री राजीव रतन जैन *(महामंत्री)*
301-ए, सुख सागर अपार्टमेन्ट, 4, जानकी नगर मेन,
इन्दौर (म.प्र.)-452001, मोबा.: 9425110204
E-mail : jainrajeevratan@gmail.com

श्री अजीत जैन *(अर्थमंत्री)*
1द39, काला कुंआ हा.बोर्ड, अलवर (राज.)-301002
फोन : 0144-2360115, मोबा.: 9413272178
E-mail : akjain2021@yahoo.in

पत्रिका प्रबन्ध एवं सम्पादक मण्डल

डॉ. अनुपम जैन *(परामर्शदाता)*
'ज्ञानछाया', डी-14, सुदामानगर, इन्दौर-452009
फोन : 0731-2797790, मोबा.: 9425053822
E-mail : anupamjain3@rediffmail.com

श्री चन्द्रशेखर जैन *(संयोजक)*
86, मगन विला, श्री विहार कॉलोनी, होटल क्लार्क
आमेर के पीछे, जे.एल.एन. मार्ग, जयपुर-302018
फोन : 0141-2553272, मोबा.: 9829134926
E-mail : csjain30@yahoo.co.in

श्री प्रकाश चन्द जैन *(सम्पादक)*
78, बैंक कॉलोनी, महेश नगर विस्तार ''बी''
गोपालपुरा बाईपास, जयपुर-302015
मोबा.: 9828374013
E-mail : pcjain49@gmail.com

श्री पारस जैन गहनौली *(सह-सम्पादक)*
बी-204बी, 10-बी स्कीम, गोपालपुरा बाईपास,
जयपुर-302018, मोबा.: 9928715869

श्री महेश चन्द जैन *(अर्थ संयोजक)*
36-सी, कृष्णा विहार विस्तार, गोपालपुरा बाईपास,
जयपुर-302015, मोबा.: 9828288830
E-mail : 3466mahesh@gmail.com

संयोजक की कलम से....

कोरोना संक्रमण विश्व के साथ-साथ सारे भारत में फैलने से हर देशवासी को अनावश्यक घर से बाहर निकलने से बचना चाहिए व 'घर में रहें-सुरक्षित रहें' का पालन करना चाहिए। अत्यन्त आवश्यक कार्य हो तो ही बाहर जाना चाहिए। यह आपके हित में जरूरी है।

चातुर्मास के दौरान जैन समाज को भी घर पर रह कर धर्म पालन करने का निर्देश दिया। बन्धुओं सही मायने में धर्म का अर्थ क्या है ? क्या मन्दिर जाना है ? तपस्या करना ? कंदमूल का त्याग ? या सामाजिक प्रतिक्रमण करना है ?

असल में इन चीजों का उद्देश्य मनुष्य के दिन-प्रतिदिन के स्वभाव को बदलना है लेकिन अक्सर लोग जीवन भर यह क्रियाऐं करते हैं और इसे ही धर्म बना लेते है। लेकिन वे अपने अहंकार को छोड़कर सरल नहीं बन सकते हैं। क्रोध को छोड़कर विनम्र नहीं बन सकते हैं। ईर्ष्या छोड़कर उदार नहीं हो सकते। जब तक कि व्यक्ति अपनी आत्मा को बदलने के लिए दृढ़ निश्चय नहीं करता है, तब तक कठोर सच्चाई यह है कि कोई भी भगवान, गुरु या धर्म कुछ भी भला नहीं कर सकते। सबसे पहले अपने आपको बदलिए, स्वभाव बदलिए और भाव बदलिए, परिणाम तभी मिलेगा। हम सब भगवान महावीर को तो मानते हैं, लेकिन भगवान महावीर की नहीं मानते।

आईये हम सब मिल कर भगवान से प्रार्थना करें कि वह हमें शक्ति एवं शांति प्रदान करें और हमारे जीवन को सफल करें जिससे हम हमारी आस्था को कमजोर न पड़ने दे और हम सभी इस महामारी से बाहर आकर पुन: उसी जोश से आगे बढ़े।

अंत में गत वर्ष हमारी लेखनी या वाणी से जाने-अनजाने में आपका मन दुखा हो, कुछ गलत लगा हो, तो आप सबसे क्षमा मांगते हुए और सभी राग और द्वेषों को दूर करते हुए मन, वचन और काया से...

मिच्छामी दुक्कडम्

-चंद्रशेखर जैन

पत्रिका में प्रकाशित लेख एवं विचारों से सम्पादक मण्डल का सहमत होना आवश्यक नहीं है।
यह लेखकों के निजी विचार माने जाने चाहिये।

पर्वाधिराज पर्युषण पर्व एवं दसलक्षण पर्व

के पावन प्रसंग पर सर्वसमाज, विद्वान लेखकों एवं पाठकों से
विगत वर्ष में हुई ज्ञात-अज्ञात भूलों के लिए हम हृदय से क्षमा याचना करते हैं।

अखिल भारतीय पल्लीवाल जैन महासभा

अध्यक्ष महासभा
श्री आर.सी. जैन, *Retd. IAS*
(जयपुर)

महामंत्री महासभा
श्री राजीव रतन जैन
(इन्दौर)

अर्थमंत्री महासभा
श्री अजीत जैन
(अलवर)

★★

श्री पल्लीवाल जैन पत्रिका

परामर्शदाता पत्रिका
डॉ. अनुपम जैन
(इन्दौर)

संयोजक पत्रिका
श्री चन्द्रशेखर जैन
(जयपुर)

संपादक पत्रिका
श्री प्रकाश चन्द जैन
(जयपुर)

सहसंपादक पत्रिका
श्री पारस जैन गहनौली
(जयपुर)

अर्थसंयोजक पत्रिका
श्री महेश चन्द जैन
(जयपुर)

पर्युषण पर्व - ज्ञान दिवस

जैसे बसन्त के आने पर कोयल को बोलने की प्रेरणा नहीं दी जाती, बगीचे में जब फूल खिलते हैं, भवरों को कोई निमंत्रण देने नहीं जाता। जब काले–कजरारे बादल छाये हुए हो तो मोर अपने आपको चुप नहीं रख सकता, उसी प्रकार पर्वाधिराज पर्युषण के आगमन पर बाल, युवा, वृद्ध सभी लोग स्वतः ही ज्ञान की आराधना प्रारम्भ कर देते हैं।

पर्युषण पर्व नर को नारायण बनाने के लिये, भक्त को भगवान बनाने के लिये, जीव को शिव की ओर जोड़ने के लिये उपस्थित होते हैं। पर्युषण पर्व के आठ दिवस होते हैं:– यथा 1.ज्ञान दिवस, 2.दर्शन दिवस, 3.चारित्र दिवस, 4.तप दिवस, 5.संयम दिवस, 6. दान दिवस, 7.आत्म निरीक्षण, स्वाध्याय दिवस, 8. क्षमा दिवस। ये दिवस आठो कर्मों को नष्ट करने की प्रेरणा देते हैं।

पर्युषण पर्व का प्रथम दिवस है:– ज्ञान दिवस

नाणस्स तव्वस्स पगासणाए, अन्नाण मोहस्स विवज्जणाए।
रागस्स दोसस्स ए संखएण, एगंत सोक्खै समुवेइ मोक्खं

अर्थात् ज्ञान के समग्र प्रकाश, अज्ञान और मोह के त्याग से तथा राग–द्वेष के क्षय से सुख रूप मोक्ष की उपलब्धि बताया है। ज्ञान के समान कोई प्रकाशमान नहीं है। ज्ञान को गीता में परम उत्तम बताया है:– *नाहिज्ञानेन सदृशं पवित्रमिव विद्यते।*

आठ कर्मों में प्रथम कर्म है ज्ञानावरणीय:– दुखों की जड़ अज्ञान है। अज्ञान को नष्ट करने के लिये ज्ञान की बात कहीं गयी है। किसी कार्य को करने में प्रवृत्ति करते हैं, उसका आरम्भ करते हैं उसका ज्ञान करते हैं। यदि हम चलना चाहेंगे तो पहले जानना होगा कि हमें जाना कहां है, रास्ता कैसा होगा, कितना लंबा चलना है, मार्ग का ज्ञान करते हैं। शरीर में कहीं चोट लग जाती है, चोट के कारण हड्डी टूट जाती है तो उसका हम एक्सरे करवाते यानि उसकी जानकारी करते हैं, उसके पश्चात् ही ईलाज शुरू करवाते हैं। जैसे शरीर के रोग के लिये पहले जानकारी करते हैं, उसी तरह जीवन में हम कैसे सुखी होवें उसकी जानकारी करते हैं। वह जानकारी ज्ञान के द्वारा की जाती है।

ज्ञान अधर्म से हटाकर धर्म का ज्ञान कराता है, अकर्त्तव्य से हटाकर कर्त्तव्य का ज्ञान कराता है। ज्ञान के मुख्य दो भेद हैं:– 1. लौकिक ज्ञान 2. लौकोत्तर ज्ञान।

1.लौकिक ज्ञान:– संसार संबंधी ज्ञान। (अ) जगत संबंधी:– यथा–भूगोल, खगोल, इतिहास, ज्योतिष आदि, (ब) आत्मा संबंधी:– संसार क्या है, जीव–अजीव क्या इसका ज्ञान।

2.लौकोत्तर ज्ञान:– आत्मा संबंधी ज्ञान। कहा भी है:–

आत्म ज्ञान के बिना विश्व का, ज्ञान सब है बेकार,
आत्म ज्योति को बिना जगाएँ, कौन हो सका भव से पार।

अर्थात आत्मार्थी के लिये आत्म ज्ञान परम आवश्यक है, प्रत्येक जीव आत्मार्थी है, प्रत्येक आत्मार्थी को चिंतन मनन की प्रवृत्ति बनानी चाहिये।

मनन करें चिंतन करे, मनुज उसी का नाम।
आंख मूंद पीछे चले, यह पशुओं का काम।।

ज्ञान के पांच लक्षण कहे गये हैं:–

1.सम– कषायों में मंदता होना। कषाय–क्रोध, मान, माया, लोभ।

2.संवेग– मोक्ष मार्ग में रूचि बढ़ाना।

3.निर्वेद– संसार से आसक्ति को कम करना।

4.आस्था– देव,गुरू,धर्म के प्रति अटूट आस्था होना।

5.अनुकम्पा– प्राणी मात्र पर दया करना।

ज्ञान न कभी नष्ट होता है। न ज्ञान को कोई चुरा सकता है,न कोई लूट सकता है अपितु वह खर्च करने पर बढ़ता ही जाता है कहा भी है:–

सरस्वती के भंडार की बड़ी अपूरब बात।
ज्यों खर्चे त्यों–त्यों बढ़े, बिन खर्च घटी जात।

ज्ञान का दान श्रेष्ठ बताया गया है। ज्ञान के दान से स्व व पर दोनों का कल्याण होता है। अन्न का दान श्रेष्ठ होता है लेकिन ज्ञान से को परम श्रेष्ठ बताया है। अन्न के दान से तो क्षणिक तृप्ति होती है पर ज्ञान दान से यावज्जीवन यानि जीवन पर्यन्त तृप्ति होती है।

–अशोक कुमार जैन
निजी सचिव (वन विभाग)
73/46ए, मानसरोवर, जयपुर

हमारे बुजुर्ग - हमारी धरोहर

सर पर जो रख दे अपना हाथ,
लगता है हर वक्त है हमारे साथ।
बनी रहे उनकी हम पर छत्रछाया,
हर मुश्किल में दिल मांगे उनका साया।।
उनके कांपते हाथों में भी है शक्ति भरी,
उनके आशीर्वाद से ही है जिंदगी हरी–भरी।
जिस घर में है बुजुर्गों का सम्मान,
घर के रथ की है उनके हाथों में कमान।।
फ़िर कैसे अधूरे रहेंगे वहां किसी के अरमान,
काश आज के बच्चे खुशी का राज़ समझ पाते,
तो क्यों अंधेरे में अपने वो कदम बढाते।।

किसी भी वर्तमान समाज और परिवार की अखंडता व सांस्कृतिक वैभव का पिरामिड यदि इस आधुनिकता के तूफान में मजबूती से खड़ा है तो उसका मूल कारण है उसकी बुनियाद में अपने बुजुर्गों का तप, त्याग, साधना, उत्कर्ष और निराभिमानी जीवन साधना को जीवन का आभूषण मानकर जीवन जीना जिसकी वजह से हम मजबूत है। हमारा सांस्कृतिक गौरव अविरल प्रवाहमान है। हमारे संस्कारों की पवित्र नदिया आज भी गतिमान है। लेकिन विभिन्न कालखण्डों में आये क्रांतिकारी परिवर्तन ने हमारे कदमों को लड़खड़ा दिया है। डिजिटल क्रांति बहुसंख्यक समाज के लिए वरदान भी बनी है तो कतिपय परिवारों के लिए अभिशाप भी बनी है। विवेक से जिसने इसके सगुण पक्ष को पहचाना है उसके लिए वरदान और जिसने इसे केवल उपभोग और सुविधा भोग से जोड़कर देखा उसके लिए ये अभिशाप बनी है।

गौरतलब है कि आधुनिकता की रोशनी ने निःसन्देह हमारे देखने के नजरिये पर अपना नकारात्मक प्रभाव अवश्य छोड़ा है। जिसकी वजह से सांस्कृतिक वैभव फीका पड़ता नजर आ रहा है, सामाजिक एकजुटता बिखरी हुई नजर आती है, हृदय आनन्द से रहित है, आंखों में वो समत्व की चेतना का अभाव है, दिलो में एक दूसरे के लिए तमस है, परिवारों की परिभाषा बहुत लघु गढ़ी जा रही है। परिवारों में आनंद का स्थान अवसाद ले चुका है। पति पत्नी के रिश्तों की पवित्रता का स्थान आपसी तनाव जिसके चलते समाज में तलाक, अवसाद, कोर्ट के मामले दिन–प्रतिदिन बढ़ते जा रहे हैं। आज इसके मूल कारण को समझने की जरूरत है तथा इसके मूल में जाने की जरूरत है।

इसके मूल में हम जाएंगे तो स्थूल कारण है– स्वयं का अहंकार, अभिमान, बुजुर्गों से दूरी बना कर रखना, संवादहीनता, सामूहिक सोच का अभाव, कर्तव्यबोध हीनता, सामूहिक उत्तरदायित्वों के प्रति गैरजिम्मेदाराना रवैया।

आज इस सबके लिए हम एक मूल कारण को जिम्मेदार ठहरा सकते हैं वो है हमने हमारी धरोहर रूपी बड़े बुजुर्गों के दिखाए मार्ग को छोड़ दिया है, उनकी बताई बातों, उनके द्वारा किये गए सद्कार्यों, उनके द्वारा जीया गया आनन्दमय जीवन, उनके द्वारा किये तप, साधना और संयम को आधारहीन, निर्मूल, निरर्थक मानने की भूल कर गए जिसकी वजह से अनचाही हिमालय जैसी दुर्जेय समस्याओं ने हमे घेर लिया व घनीभूत अशांति के आगोश में जीने को मजबूर है।

यदि हमे सुंदर, शान्तिमय कल चाहिए तो जड़ो की ओर लौटना होगा, उनके बताए मार्ग को उसी तरह जीना होगा कुछ आधुनिक डेकोरेशन के साथ सुसज्जित करके। मैं नहीं कहता कि हम पुरातनपंथी बने, लकीर के फकीर बने, जड़वादी बने। मेरा कहने का अभीष्ट निहितार्थ इतना ही है कि हम धरोहर पर समयानुसार रंगरोगन रूपी गैजेट्स को लगाते हुए हमारे मूल स्वरूप को अक्षुण्ण रखते हुए आगे बढ़े, परिवारों के विराट स्वरूप को पुनर्स्थापित करें। चारों ओर अशांति की कोलाहल से अपने आपको बचाते हुए अपनी जड़ों को सींचे, जमीन से जुड़े रहें, मानमूल्यों को अपने साथ सतत गतिमान रखें। अध्यात्म को जीवन में व्यावहारिक बनाकर जिये, केवल उसे सिद्धान्तों तक सीमित ना करे। आज धर्म और अध्यात्म के नाम पर मन्दिर जाने वाले भक्तों की संख्या में वृद्धि जरूर हुई है लेकिन धर्म को कर्म में लागू

करने वालो की संख्या में आशातीत कमी हुई है, ये चिंता और स्वयं को चिंतन करने की जरूरत है। परिवारों में हो रहे स्खलन को रोकना हम सबकी चुनोती है। इसे लेकर आज कमोबेश अधिकांश परिवार इस बुराई का सामना कर रहे हैं।

कोरोना जैसी महामारी ने भी हमारे मध्य में अदृश्य सामाजिक दूरी की आग में घी डालने का कार्य किया है। हम इस काम को पहले ही कर चुके थे या करने की ओर कदम थे, लेकिन रही सही कसर कोरोना ने कर दी।

अंततः हमें विचार करना होगा की हमारी धरोहर की चमक धुंधली ना पड़े इसके लिए अपनी सामाजिकता व परिवारनिष्ठा का लिटमस टेस्ट हमें करते रहना होगा विभिन्न पर्व, त्योहार उत्सवों पर परिवार के सामूहिक भोज आदि आयामों के द्वारा। यदि वो जीवित नहीं है तो अपने माताजी पिताजी की जीवनचर्या की चर्चा होती रहे, उनके जीवन मूल्यों को जीने का हम भी प्रयास करें। और यदि जीवित हैं तो अपने नवजात, वयःसंधि बच्चों को 24 घण्टे में से कुछ घण्टे उनके साथ समय व्यतीत करने का अभ्यास बनाये।

उनका एक स्पर्श देता है इतनी स्फूर्ति,
जैसे माँ का स्पर्श करता जन्नत की पूर्ति।
जिस घर में है बुजुर्गों का सम्मान,
घर के रथ की है उनके हाथों में कमान।
फ़िर कैसे अधूरे रहेंगे
वहां किसी के अरमान,
काश आज के बच्चे
खुशी का राज़ समझ पाते,
तो क्यों अंधेरे में अपने वो कदम बढ़ाते।

–पवन कुमार जैन *(परबैनी)*
जयपुर

क्षमा याचना

दशलक्षण महापर्व के तत्काल बाद मनाया जाने वाला क्षमावाणी पर्व एक ऐसा महापर्व है जो आत्मा को पवित्र करता है। समस्त बैरभाव को छोड़कर हम एक दूसरे से क्षमा याचना करते हैं, क्षमा भाव धारण करते हैं। लेकिन कुछ वर्ष पूर्व इस शुभ अवसर पर सारे भारत वर्ष में लाखों रुपयों के बहुमूल्य कार्ड छपाये जाते थे सुन्दर लिफाफे में रखकर हम इष्ट मित्रों और अपनों को भेजते, क्षमा याचना भी करते। क्षमा याचना करते समय हमारे चेहरे पर मुस्कान भी होती पर बनावटी, हमारी असलियत कहां चली गई पर आजकल तो मोबाइल/फोन–व्हाट्सएप का समय है हम माफी मांगते हैं लेकिन उससे नहीं जिनसे मांगनी चाहिए, जिनके प्रति हमने उनका दिल दुखाया, दुःख दिया, जाने–अनजाने में, चाहे वो अपने हों या पराये। क्षमा हम उनसे मांगते हैं जिनके प्रति कोई अपराध किये हो, क्रोध कषाय के कारण वैरभाव रखा हो। क्षमा भी उन्हीं से मांगी जाती है जिनके प्रति हमारे संबंध हैं उनके प्रति वैरभाव का बोध भी हमें कभी नहीं हुआ हो। मैं सोच रहा हूं वास्तविक शत्रुओं से कौन क्षमा याचना कर रहा है, उनको क्षमावाणी कार्ड, व्हाट्सएप मैसेज, फोन कौन कर रहा है। क्षमा करने कराने के वास्तविक अधिकारी तो वही हैं पर हमारा ध्यान इस ओर नहीं जाता।

मैंने अपने जीवन में विचित्र स्थिति देखी है, बड़े कहलाने वालों की स्थिति और ही है उनके पास एक लिस्ट तैयार रहती है शादी में जिन को निमंत्रण कार्ड भेजा जाता है उसी लिस्ट के अनुसार कर्मचारीगण, क्षमावाणी कार्ड भी भेज दिया जाता है। आजकल व्हाट्सएप पर टिक–टिक कर दिया जाता है। मैने किससे क्षमायाचना की, किससे नहीं। जिससे मेरा झगड़ा हुआ उनसे तो क्षमा याचना की ही नहीं। कदाचित हमारे इष्ट मित्र सद्भाव बनाने के लिए उनसे क्षमा मांगने की प्रेरणा देते हैं।

इस प्रकार क्षमा के रिवाज में तथ्य का अभाव हो गया है। क्षमा करना क्षमा कराना रटते लोग तो पग–पग पर मिल जायेंगे किन्तु हृदय से वास्तविक क्षमा याचना करने वाले एवं क्षमा करने वालो के दर्शन आज दुर्लभ हो गये हैं। आदर से विनय पूर्वक आमने–सामने या पत्र द्वारा मृदु हृदय से क्षमा मांगने वालों का प्रायः हम अभाव ही समझ सकते हैं। सही रूप से यह होना चाहिए हम अपनी गलतियों का उल्लेख करते हुए शुद्ध हृदय से क्षमा याचना करें। मुझे तो पवित्र भाव से दूसरों को क्षमा करना अर्थात क्षमाभाव धारण करना मैं सब जीवों को क्षमा करता हूं और संसार के सब जीव मुझे क्षमा करें, सब जीवों से मेरा क्षमा भाव/मित्र भाव रहे किसी से वैर भाव नहीं हो।

ऐसे समय मुझे अपने पिता श्री जैनीलाल जी की याद आती है, वे अपने हाथ से पोस्टकार्ड लिखते थे। क्षमा याचना करते थे।

जय जिनेन्द्र

–विनोद कुमार, दिल्ली

पिता का आशीर्वाद और उस आशीर्वाद की परीक्षा

गुजरात के खंभात के एक व्यापारी की यह सत्य घटना है। जब मृत्यु का समय सन्निकट आया तो पिता ने अपने एकमात्र पुत्र धनपाल को बुलाकर कहा– बेटा, मेरे पास धनसंपत्ति नहीं है कि मैं तुम्हें विरासत में दूं, पर मैंने जीवन भर सच्चाई और प्रामाणिकता से काम किया है तो मैं तुम्हें आशीर्वाद देता हूं कि, तुम जीवन में बहुत सुखी रहोगे और धूल को भी हाथ लगाओगे तो वह सोना बन जायेगी।

बेटे ने सिर झुका कर पिताजी के पैर छुए। पिता ने सिर पर हाथ रख कर आशीर्वाद दिया और संतोष से अपने प्राण त्याग कर दिए। अब घर का खर्च बेटे धनपाल को संभालना था। उसने एक छोटी सी ठेला गाड़ी पर अपना व्यापार शुरू किया। धीरे–धीरे व्यापार बढ़ने लगा। एक छोटी सी दुकान ले ली। व्यापार और बढ़ा। अब नगर के संपन्न लोगों में उसकी गिनती होने लगी। उसको विश्वास था कि यह सब मेरे पिता के आशीर्वाद का ही फल है क्योंकि उन्होंने जीवन में दुख उठाया, पर कभी धैर्य नहीं छोड़ा, श्रद्धा नहीं छोड़ी, प्रामाणिकता नहीं छोड़ी, इसलिए उनकी वाणी में बल था, और उनके आशीर्वाद फलीभूत हुए। और मैं सुखी हुआ। उसके मुंह से बार–बार यह बात निकलती थी।

एक दिन एक मित्र ने पूछा कि, तुम्हारे पिता में इतना बल था तो वह स्वयं संपन्न क्यों नहीं हुए? सुखी क्यों नहीं हुए? धर्मपाल ने कहा कि मैं पिता की ताकत की बात नहीं कर रहा हूं, मैं उनके आशीर्वाद की ताकत की बात कर रहा हूं। इस प्रकार वह बार–बार अपने पिता के आशीर्वाद की बात करता तो लोगों ने उसका नाम ही रख दिया 'बाप का आशीर्वाद'। धनपाल को इससे बुरा नहीं लगता वह कहता कि मैं अपने पिता के आशीर्वाद के काबिल निकलूं, यही चाहता हूं।

ऐसा करते हुए कई साल बीत गए। वह विदेशों में व्यापार करने लगा। जहां भी व्यापार करता, उससे बहुत लाभ होता। एक बार उसके मन में आया कि मुझे लाभ ही लाभ होता है तो मैं एक बार नुकसान का अनुभव करूं। तो उसने अपने एक मित्र से पूछा कि ऐसा व्यापार बताओ कि जिसमें मुझे नुकसान हो। मित्र को लगा कि इसको अपनी सफलता का और पैसों का घमंड आ गया है। इसका घमंड दूर करने के लिए इसको ऐसा धंधा बताऊं कि इसको नुकसान ही नुकसान हो। तो उसने उसको बताया कि तुम भारत में 'लौंग' खरीदो और जहाज में भरकर अफ्रीका के जंजीबार में जाकर बेचो। धर्मपाल को यह बात ठीक लगी। जंजीबार तो लौंग का देश है। वहां से लौंग भारत में आते हैं और यहां 10–12 गुना भाव पर बिकते हैं। भारत में खरीद करके जंजीबार में बेचे तो साफ नुकसान सामने दिख रहा है। परंतु धर्मपाल ने तय किया कि मैं भारत में लौंग खरीद कर, जंजीबार खुद लेकर जाऊंगा। देखूं कि पिता के आशीर्वाद कितना साथ देते हैं।

नुकसान का अनुभव लेने के लिए उसने भारत में लौंग खरीदे और जहाज में भरकर खुद उनके साथ जंजीबार द्वीप पहुंचा। जंजीबार में सुल्तान का राज्य था। धर्मपाल जहाज से उतर करके और लंबे रेतीले रास्ते पर जा रहा था वहां के व्यापारियों से मिलने को। उसे सामने से सुल्तान जैसा व्यक्ति पैदल सिपाहियों के साथ आता हुआ दिखाई दिया। उसने किसी से पूछा कि यह कौन है? उन्हें कहा कि यह सुल्तान हैं। सुल्तान ने उसको सामने देखकर उसका परिचय पूछा। उसने कहा कि मैं भारत के गुजरात के खंभात का व्यापारी हूं और यहां पर व्यापार करने आया हूं। सुल्तान ने उसको व्यापारी समझ कर उसका आदर किया और उससे बात करने लगा। धर्मपाल ने देखा कि सुल्तान के साथ सैकड़ों सिपाही हैं, परंतु उनके हाथ में तलवार, बंदूक आदि कुछ भी न होकर बड़ी–बड़ी छलनियां है। उसको आश्चर्य हुआ। उसने विनम्रता पूर्वक सुल्तान से पूछा कि आपके सैनिक इतनी छलनी लेकर के क्यों जा रहे हैं। सुल्तान ने हंसकर कहा कि बात यह है कि आज सवेरे मैं समुद्र तट पर घूमने आया था। तब मेरी उंगली में से एक अंगूठी यहां कहीं निकल कर गिर गई। अब रेत में अंगूठी कहां गिरी पता नहीं। तो इसलिए मैं इन सैनिकों को साथ लेकर आया हूं। यह रेत छानकर मेरी अंगूठी उसमें से तलाश करेंगे।

धर्मपाल ने कहा– अंगूठी बहुत महंगी होगी।

सुल्तान ने कहा– नहीं, उससे बहुत अधिक कीमत वाली अनगिनत अंगूठी मेरे पास हैं, पर वह अंगूठी एक फकीर का आशीर्वाद है। मैं मानता हूं कि मेरी सल्तनत

इतनी मजबूत और सुखी उस फकीर के आशीर्वाद से है। इसलिए मेरे मन में उस अंगूठी का मूल्य सल्तनत से भी ज्यादा है।

इतना कह कर सुल्तान ने फिर पूछा कि बोलो सेठ, इस बार आप क्या माल ले कर आये हो।

धर्मपाल ने कहा कि– लौंग

लौंऽग! सुल्तान के आश्चर्य का ठिकाना नहीं रहा।

यह तो लौंग का ही देश है सेठ। यहां लौंग बेचने आये हो? किसने आपको ऐसी सलाह दी। जरूर वह कोई आपका दुश्मन होगा। यहां तो एक पैसे में मुट्ठी भर लौंग मिलते हैं। यहां लौंग को कौन खरीदेगा? और तुम क्या कमाओगे?

धर्मपाल ने कहा कि– मुझे यही देखना है कि यहां भी मुनाफा होता है या नहीं। मेरे पिता के आशीर्वाद से आज तक मैंने जो धंधा किया, उसमें मुनाफा ही मुनाफा हुआ। तो अब मैं देखना चाहता हूं कि उनके आशीर्वाद यहां भी फलते हैं या नहीं।

सुल्तान ने पूछा कि– पिता के आशीर्वाद... ? इसका क्या मतलब... ?

धर्मपाल ने कहा कि– मेरे पिता सारे जीवन ईमानदारी और प्रामाणिकता से काम करते रहे, परंतु धन नहीं कमा सके। उन्होंने मरते समय मुझे भगवान का नाम लेकर मेरे सिर पर हाथ रखकर आशीर्वाद दिए थे कि तेरे हाथ में धूल भी सोना बन जाएगी।

ऐसा बोलते–बोलते धर्मपाल नीचे झुका और जमीन की रेत से एक मुट्ठी भरी और सम्राट सुल्तान के सामने मुट्ठी खोलकर उंगलियों के बीच में से रेत नीचे गिराई तो....

धर्मपाल और सुल्तान दोनों का आश्चर्य का पार नहीं रहा। उसके हाथ में एक हीरे जड़ित अंगूठी थी।

यह वही सुल्तान की गुमी हुई अंगूठी थी।

अंगूठी देखकर सुल्तान बहुत प्रसन्न हो गया।

बोला, वाह खुदा 'आप की करामात का पार नहीं। आप पिता के आशीर्वाद को सच्चा करते हो'।

धर्मपाल ने कहा कि– फकीर के आशीर्वाद को भी वही परमात्मा सच्चा करता है।

सुल्तान और खुश हुआ। धर्मपाल को गले लगाया और कहा कि मांग सेठ। आज तू जो मांगेगा मैं दूंगा।

धर्मपाल ने कहा कि– आप 100 वर्ष तक जीवित रहो और प्रजा का अच्छी तरह से पालन करो। प्रजा सुखी रहे। इसके अलावा मुझे कुछ नहीं चाहिए।

सुल्तान और अधिक प्रसन्न हो गया। उसने कहा कि– सेठ, तुम्हारा सारा माल में आज खरीदता हूं और तुम्हारी मुंह मांगी कीमत दूंगा।

– सीख –

इस कहानी से शिक्षा मिलती है कि पिता का आशीर्वाद हों तो दुनिया की कोई ताकत कहीं भी तुम्हें पराजित नहीं होने देगी। पिता और माता की सेवा का फल निश्चित रूप से मिलता है। आशीर्वाद जैसी और कोई और संपत्ति नहीं।

बालक के मन को जानने वाली मां और भविष्य को संवारने वाले पिता यही दुनिया के दो महान ज्योतिषी हैं, बस इनका सम्मान करो तो तुमको भगवान के पास भी कुछ मांगना नहीं पड़ेगा। अपने बुजुर्गों का सम्मान करें, यही भगवान की सबसे बड़ी सेवा है।

ऐसे माता–पिता को नमन, जिन्हें उन का आशीर्वाद प्राप्त हुआ।

बधाई

श्री अंकुर जैन सुपुत्र श्री अशोक कुमार जैन (फुलवाड़ा वाले) वर्धमान नगर, हिण्डौन सिटी, जिला करौली ने भारतीय प्रशासनिक सेवा (I.A.S.) में चयनित होकर समस्त पल्लीवाल जैन समाज का नाम रोशन किया है। अ.भा.प. जैन महासभा अंकुर जी के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए बधाई व शुभकामनाऐं प्रेषित करती है एवं आशा करती है कि युवा पीढ़ी अपने लक्ष्य की प्राप्ति के लिए इनसे प्रेरणा ग्रहण करेगी।

श्री भूपेश कुमार जैन सुपौत्र श्री कपूर चन्द जैन एवं सुपुत्र श्री विमल चन्द जैन (बड़ौदाकान) का **Junior Associate SBI** में चयन होने पर अ.भा.प. जैन महासभा भूपेश जी के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए बधाई एवं शुभकामनाऐं प्रेषित करती है।

अहिंसावाद

अहिंसा जैन धर्म का प्रथम व्रत है। सामान्यतया अहिंसा का अर्थ हिंसा का न होना लगाया जाता है। किसी को मन–वचन–काया से कष्ट न पहुँचाना अहिंसा माना जाता है। किसी को दुख न देना, चोट न पहुँचाना, नुकसान न करना अहिंसा में सम्मिलित माने जाते हैं। यहाँ अहिंसा में केवल यह निर्देश हुआ है कि क्या नहीं करना चाहिए परन्तु अहिंसा में यह भी सम्मिलित है कि क्या करना चाहिए। प्रेम, दया, करूणा, सहानुभूति आदि सकारात्मक भावों को भी अहिंसा में शामिल किया गया है।

जैन शास्त्रों में अहिंसा की मान्यता जो दी गई है उसके अनुसार रागादि भावों का उत्पन्न होना ही हिंसा है और इनका उत्पन्न न होना ही अहिंसा है। राग आदि भाव से कार्य करने पर प्राणों का घात हो या न हो वह हिंसा ही है। बिना रागादि भाव के कार्य करने पर भले ही प्राणों का घात हो जावे वह अहिंसा है। इस प्रकार जैन दर्शन में हिंसा–अहिंसा को भावों के साथ जोडा गया है। जीव में रागादिभावों का उत्पन्न होना ही हिंसा का मूल है और बाह्य हिंसा तो उसका परिणाम है। इस प्रकार हिंसा दो प्रकार की होती है– भाव हिंसा और द्रव्य हिंसा। जीव में हिंसा का विचार उत्पन्न होना भाव हिंसा है। इसके परिणामस्वरूप दस प्राणों का नियोजन करना द्रव्य हिंसा है।

एक अन्य प्रकार से हिंसा चार प्रकार की होती है– संकल्पी, उद्योगी, आरंभी व विरोधी। बिना किसी उद्देश्य के संकल्प प्रमाद से की जाने वाली हिंसा संकल्पी है। अर्थ कमाने रूप व्यापार धंधे में होने वाली हिंसा उद्योगी है। भोजन आदि बनाने में, घर की सफाई आदि करने में, घरेलू कार्यों में होने वाली हिंसा आरंभी हिंसा है। अपनी–अपने आश्रितों की अथवा अपने देश की रक्षा के लिए युद्धादि में की जाने वाली हिंसा विरोधी हिंसा है।

अहिंसा और हिंसा जीव के अंतरंग की परिणति होती है, कहा भी गया है– ''अहिंसा स्वयं होती है और हिंसा भी स्वयं ही होती है। यहाँ ये दोनों पराधीन नहीं है। जो प्रमाद रहित है, वह अहिंसक है और जो प्रमाद युक्त है वह सदा हिंसक है।'' शास्त्र में यह उपदेश है कि रागादिक का नहीं उत्पन्न होना अहिंसा है तथा जिन देव ने उनकी उत्पत्ति को हिंसा कहा है।

अहिंसा व्रत का पालन दो प्रकार से किया जाता है– अणुव्रत के रूप में एवं महाव्रत के रूप में। श्रावक द्वारा एकदेश रूप में अहिंसाव्रत ग्रहण करना अहिंसाणुव्रत है। श्रमण द्वारा सर्वदेश रूप में अहिंसा व्रत ग्रहण करना अहिंसा महाव्रत है।

जैन दर्शन में अहिंसा की अत्यन्त सूक्ष्म व्याख्या की गई है और ऐसे सभी कार्यों को रोका गया है जो प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से हिंसा का कारण बनते हैं। अहिंसा व्रत पालन के लिए निम्नलिखित बातों से बचना चाहिए–

(1) अंगो का छेदना/छेदने की क्रिया में पूर्णरूपेण प्राण अलग नही होते परन्तु व्यक्ति को इससे गहरा कष्ट होता है अतः यह हिंसा है।

(2) बंधन – इच्छित स्थान में जाने से रोकना। बंधन में प्रत्यक्ष रूप से कोई हिंसा नहीं दिखाई देती परन्तु बन्धित की स्वतंत्रता में बाधा पहुँचती है अतः यहाँ हिंसा है।

(3) मार–पीट करना। इसमें शारीरिक कष्ट देने से हिंसा होती है।

(4) शक्ति से अधिक भार लादना। किसी से उसकी क्षमताओं से अधिक कार्य लेना बहुत गहरी हिंसा है।

(5) आहार कम देना, समय पर नहीं देना। भोजन द्वारा व्यक्ति को जीवन शक्ति मिलती है। यदि यह जीवन शक्ति उचित रूप से ना दी जाए तो व्यक्ति कार्य करने में सक्षम नहीं रहता। यह सूक्ष्म हिंसा है।

अहिंसाव्रत की रक्षा के लिए जैन दर्शन में ऐसे विचार बताए गए हैं जिनका निरन्तर चिन्तन करना चाहिए–

(1) वचनगुप्ति – वाणी पर नियंत्रण

(2) मनोगुप्ति – मन पर नियंत्रण

(3) ईर्या समिति – चलते समय सावधानी

(4) आदान–निक्षेपण समिति – आपस में लेते देते समय सावधानी

(5) आलोकित भोजन – भोजन दिन में करना चाहिए

इन सब चीजों के पालन से अहिंसा व्रत स्थिर होता है।

वर्तमान में जब विश्व गहरे शारीरिक–मानसिक अवसाद से त्रस्त है ऐसे समय में भगवान महावीर प्रणीत अहिंसा ही मानव जाति को शांति प्रदान कर सकती है।

–डॉ. धीरज जैन

'वर्तमान में वर्धमान' से साभार

In Loving Memory of

Late Sh. Shyamlal Ji Jain & Late Smt. Jaidevi Ji Jain

Raj Kumar Jain - Sushila Jain
(Son & Daughter in Law)
Vikas Jain - Babita Jain
Vipin Jain - Ritu Jain
(Grand Son & Grand Daughter in Law)
Abhilasha Salecha - Nitin Salecha
Manisha Jain - Sanjeev Jain
(Grand Daughter & Grand Son in Law)

JAPAN KARATE-DO NOBUKAWA-HA SHITO-RYU KAI INDIA

UNIT-RAJASTHAN

LEARN

KARATE CLASSES

1. Self Defence Course.
2. Black-Belt Training Programme.
3. Yoga Training For Karate Students.
4. Organise District, State, National, International Championships & Training Programme.

FRENCH CLASSES

1. Prepare For Basic French Language.
2. Prepare For Delf Exam. (Conduct by Allaince De Français)

CONTACT :

Vipin Jain
3rd Dan Black Belt
Chief Karate Instructor of Rajasthan & West India Coordinator
9829180895
www.karatedorajasthan.com

Firm :

Jain Packing Materials

(Traders of Packing Materials & Machines)
46, Royal Complex, Medical Market, Near Railway Station, Ajmer (Raj.)
Residential Address :
464, "Shyam Sadan", Near Palliwal Digamber Jain Temple, Pal Bichla, Ajmer

प्रथम पुण्यतिथि पर भावभीनी श्रद्धांजलि

स्व. श्रीमती लक्ष्मी देवी जी जैन

(स्वर्गवास : 25.07.2019)

आपका स्नेह, सद्व्यवहार, धर्म परायणता को हम सभी
शत्-शत् नमन करते हुए आपको सादर श्रद्धा सुमन अर्पित करते हैं।

श्रद्धावनत

बाबूलाल जैन, *नौगांवा*
(पति)

पुत्र-पुत्रवधु :
योगेश जैन-रश्मि जैन
ज्ञानेश जैन-गीता जैन

पुत्री-दामाद :
ममता जैन-स्व. श्री अनिल जैन
कल्पना जैन-श्री राजेश जैन

पौत्र, पौत्री :
शुभम, संभव,
विशुता, तान्या

पौत्री-पौत्री दामाद :
अक्षिता जैन-मुकुल जैन

नवासा, नवासी :
गौरव, अंकित,
आयुष, रिया

प्रतिष्ठान

★ मै. अरिहन्त पैकेजिंग
महावीर एन्क्लेव, नई दिल्ली, फोन : 25052070

निवास : RZ-7A/2, गली नं. 3, पूरन नगर, पालम गांव, नई दिल्ली-110077
फोन : 011-25367174, मो. 9968002564

सातवीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि

श्रीमती शिल्पी जी जैन

(6.7.1977 – 17.9.2013)

हम सभी परिवारजन आपके प्रेरणादायक चरित्र और जीवन का स्मरण करते हुए श्रद्धा पूर्वक श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं

श्रद्धावनत

पंकज जैन *(पति)*
कुनाल जैन *(पुत्र)*

मुन्नी देवी जैन
वीरेन्द्र कुमार-महारानी जैन
राजेन्द्र प्रसाद-कुसुम जैन
राधे लाल-विनोद जैन

पवन कुमार-नीरू
शालिनी-सुमित
प्रशम, ऋषभ, सारा

एवम् समस्त परिवारजन सकतपुर वाले (आगरा)

निवास :
फ्लेट नं. 203, गोल्डन सौभाग्य, बी-81, राजेन्द्र मार्ग,
बापू नगर, जयपुर-302015
सम्पर्क : 9811793746, 9810013895, 9540729705

भावभीनी श्रद्धांजलि

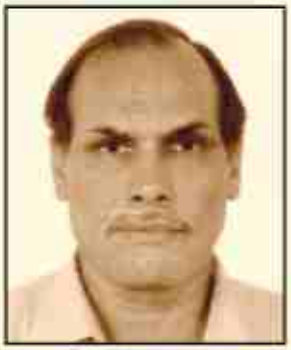

स्व. श्री महावीर प्रसाद जी जैन

(सुपुत्र स्व. श्री हरीशचन्द्र जी जैन)

(पुण्यतिथि : 21.5.2017)

स्व. ई. श्री मोहित कुमार जी जैन

(सुपुत्र स्व. श्री महावीर प्रसाद जी जैन)

(पुण्यतिथि : 9.8.2018)

हम आपको सादर श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए
भगवान वीर से आपकी चिर आत्मीय शांति की प्रार्थना करते हैं।

श्रद्धावनत

श्रीमती मिथलेश जैन
(धर्मपत्नी)
डॉ. मेघा जैन-डॉ. पीयूष जैन
(पुत्री-दामाद)

श्रीमती मिथलेश जैन
(माँ)
डॉ. मेघा जैन-डॉ. पीयूष जैन
(बहन-बहनोई)

मोहित कुमार जैन ट्रस्ट (पंजि.)

ए/165, पालम एक्सटेंशन, सेक्टर 7, द्वारका, नई दिल्ली-110077
दूरभाष : 9599660709, 9599230509

बिना पैसे की मुफ्त सलाह

डॉक्टर कभी भी नहीं बताएगा, आप से फीस पर फीस लेता रहेगा मगर माजरा कुछ और है, पढ़िए।

सभी 'वरिष्ठ नागरिक' (55 से ऊपर की उम्र के) कृपया अवश्य पढ़ें, हो सकता है आपके लिए फायदेमंद हो– आप जानते हैं कि मन चाहे कितना ही जोशीला हो पर साठ की उम्र पार होने पर यदि आप अपने आप को फुर्तीला और ताकतवर समझते हों तो यह गलत है। वास्तव में ढलती उम्र के साथ शरीर उतना ताकतवर और फुर्तीला नहीं रह जाता। आपका शरीर ढलान पर होता है, जिससे 'हड्डियां व जोड़ कमजोर होते हैं, पर कभी–कभी मन भ्रम बनाए रखता है कि 'ये काम तो मैं चुटकी में कर लूँगा' पर बहुत जल्दी सच्चाई सामने आ जाती है मगर एक नुकसान के साथ। सीनियर सिटिजन होने पर जिन बातों का ध्यान रखा जाना चाहिए, ऐसी कुछ टिप्स दे रहा हूं–

★ धोखा तभी होता है जब मन सोचता है कि 'कर लूंगा' और शरीर करने से 'चूक' जाता है। परिणाम एक एक्सीडेंट और शारीरिक क्षति। ये क्षति फ्रैक्चर से लेकर 'हेड इंज्यूरी' तक हो सकती है। यानी कभी–कभी जानलेवा भी हो जाती है। इसलिए जिन्हें भी हमेशा हड़बड़ी में काम करने की आदत हो, बेहतर होगा कि वे अपनी आदतें बदल डालें। भ्रम न पालें, सावधानी बरतें क्योंकि अब आप पहले की तरह फुर्तीले नहीं रहे। छोटी सी चूक कभी बड़े नुक़सान का कारण बन जाती है।

★ सुबह नींद खुलते ही तुरंत बिस्तर छोड़ खड़े न हों, क्योंकि आँखें तो खुल जाती हैं मगर शरीर व नसों का रक्त प्रवाह पूर्ण चेतन्य अवस्था में नहीं हो पाता। अतः पहले बिस्तर पर कुछ मिनट बैठे रहें और पूरी तरह चैतन्य हो लें। कोशिश करें कि बैठे–बैठे ही स्लीपर/चप्पलें पैर में डाल लें और खड़े होने पर मेज या किसी सहारे को पकड़कर ही खड़े हों। अक्सर यही समय होता है डगमगाकर गिर जाने का। गिरने की सबसे ज्यादा घटनाएं बाथरुम/वॉशरुम या टॉयलेट में ही होती हैं। आप चाहे अकेले हों, पति/पत्नी के साथ या संयुक्त परिवार में रहते हों लेकिन बाथरुम में अकेले ही होते हैं। यदि आप घर में अकेले रहते हों, तो और अधिक सावधानी बरतें क्योंकि गिरने पर यदि उठ न सके तो दरवाजा तोड़कर ही आप तक सहायता पहुँच सकेगी, वह भी तब जब आप पड़ोसी तक समय से सूचना पहुँचाने में सफल हो सकेंगे।

★ याद रखें बाथरुम में भी मोबाइल साथ हो ताकि वक्त जरुरत काम आ सके।

★ देशी शौचालय के बजाय हमेशा यूरोपियन कमोड वाले शौचालय का ही इस्तेमाल करें। यदि न हो तो समय रहते बदलवा लें, इसकी तो जरुरत पड़नी ही है, अभी नहीं तो कुछ समय बाद। संभव हो तो कमोड के पास एक हैंडिल लगवा लें। कमजोरी की स्थिति में इसे पकड़ कर उठने के लिए ये जरूरी हो जाता है। बाजार में प्लास्टिक के वेक्यूम हैंडिल भी मिलते हैं, जो टॉइल जैसी चिकनी सतह पर चिपक जाते हैं, पर इन्हें हर बार इस्तेमाल से पहले खींचकर जरूर जांच–परख लें।

★ हमेशा आवश्यक ऊँचे स्टूल पर बैठकर ही नहायें।

★ बाथरुम के फर्श पर रबर की मैट जरूर बिछाकर रखें ताकि आप फिसलन से बच सकें।

★ गीले हाथों से टाइल्स लगी दीवार का सहारा कभी न लें, हाथ फिसलते ही आप 'डिस–बैलेंस' होकर गिर सकते हैं।

★ बाथरुम के ठीक बाहर सूती मैट भी रखें जो गीले तलवों से पानी सोख ले। कुछ सेकेण्ड उस पर खड़े रहें फिर फर्श पर पैर रखें वो भी सावधानी से।

★ अंडरगारमेंट हों या कपड़े, अपने चेंजरूम या बेडरूम में ही पहनें। अंडरवियर, पाजामा या पैंट खड़े–खड़े कभी नहीं पहनें। हमेशा दीवार का सहारा लेकर या बैठकर ही उनके पायचों में पैर डालें, फिर खड़े होकर पहनें, वर्ना दुर्घटना घट सकती है।

★ कभी–कभी स्मार्टनेस की बड़ी कीमत चुकानी पड़ जाती है।

★ अपनी दैनिक जरुरत की चीजों को नियत जगह पर ही रखने की आदत डाल लें, जिससे उन्हें आसानी से उठाया या तलाशा जा सके।

★ भूलने की आदत हो, तो आवश्यक चीजों की लिस्ट मेज या दीवार पर लगा लें, घर से निकलते समय एक निगाह उस पर डाल लें, आसानी रहेगी।

★ जो दवाएं रोजाना लेनी हों, उनको प्लास्टिक के प्लॉनर में रखें जिससे जुड़ी हुई डिब्बियों में हफ्ते भर की दवाएँ दिन–वार के साथ रखी जाती हैं। अक्सर भ्रम हो जाता है कि दवाएं ले ली हैं या भूल गये। प्लॉनर में से दवा खाने में चूक नहीं होगी।

★ सीढ़ियों से चढ़ते उतरते समय, सक्षम होने पर भी, हमेशा रेलिंग का सहारा लें, खासकर ऑटोमैटिक सीढ़ियों पर।

★ ध्यान रहे अब आपका शरीर आपके मन का 'ओबिडियेंट सरवेन्ट' नहीं रहा।

★ बढ़ती आयु में कोई भी ऐसा कार्य जो आप सदैव करते रहे हैं, उसको बन्द नहीं करना चाहिए। कम से कम अपने से सम्बन्धित अपने कार्य स्वयं ही करें।

★ नित्य प्रातःकाल घर से बाहर निकलने, पार्क में जाने की आदत न छोड़ें, छोटी–मोटी एक्सरसाइज भी करते रहें। नहीं तो आप योग व व्यायाम से दूर होते जाएंगे और शरीर के अंगों की सक्रियता और लचीलापन कम होता जाएगा। हर मौसम में कुछ योग–प्राणायाम अवश्य करते रहें।

★ घर में या बाहर हुकुम चलाने की आदत छोड़ दें।

★ अपना पानी, भोजन, दवाई इत्यादि स्वयं लें जिससे शरीर में सक्रियता बनी रहे। बहुत आवश्यक होने पर ही दूसरों की सहायता लेनी चाहिए।

★ घर में छोटे बच्चे हों तो उनके साथ अधिक समय बिताएं, लेकिन उनको अधिक टोका–टाकी न करें। उनको प्यार से सिखायें।

★ ध्यान रखें कि अब आपको सब के साथ एडजस्ट करना है न कि सब को आपसे। इस एडजस्ट होने के लिए चाहे, बड़ा परिवार हो, छोटा परिवार हो या कि पत्नी/पति हो, मित्र हो, पड़ोसी या समाज।

एक मूल मंत्र सदैव उपयोग करें

'नोन, मौन, कौन' के मूल मंत्र को जीवन में उतारें।

1. 'नोन' अर्थात नमक। भोजन के प्रति स्वाद पर नियंत्रण रखें।

2. 'मौन' कम से कम एवं आवश्यकता पर ही बोलें।

3. 'कौन' (मसलन कौन आया, कौन गया, कौन कहां है, कौन क्या कर रहा है) अपनी दखलंदाजी कम कर दें।

इस मूल मंत्र को जीवन में उतारते ही 'वृद्धावस्था' प्रभु का वरदान बन जाएगी जिसको बहुत कम लोग ही उपभोग कर पाते हैं।

'कितने भाग्यशाली हैं आप', इसको समझें।

कोविड-19 (कोरोना) का आध्यात्मिक समाधान

जैन दर्शनानुसार आत्मा (व्यक्ति) स्वयं अपने कर्मों का कर्ता एवं भोक्ता है, अर्थात् व्यक्ति जो भी क्रियाएं करता है, उसका परिणाम (फल) स्वयं भोगता है।

जैन दर्शन, धर्म का यह शाश्वत सिद्धांत आज वैश्विक महामारी कोविड–19 (कोरोना) के रूप में परलक्षित हो रही है। उसका कारण है कि आज व्यक्ति आत्म स्वभाव से विपरीत चलकर अपनी क्रियाओं में अहिंसा को छोड़कर हिंसा की क्रियाओं में संलग्न है।

अपनी सुख–सुविधाओं तथा विकास के नाम पर हिंसा कर रहा है, जो प्रकृति के विपरीत है, आज विश्व कोरोना वायरस (कोविड–19) महामारी से त्रस्त है तथा इस रोग का कारण स्वयं को न मानकर पर को मान रहा है। जैन दर्शन इसे मानव की सबसे बड़ी भूल मानता है। जैन दर्शन के सिद्धांत के अनुसार यह हमें प्रभावित नहीं कर सकता है। इस रोग के विशेषज्ञ भी जैन दर्शन के सिद्धांत को विज्ञान सम्मत मानकर एक दूसरे से दूरी बनाने की सलाह दे रहे हैं। इस महामारी कोरोना के फैलाव से सिद्ध हो रहा है कि जिस–जिस देशों में अहिंसा का ध्यान न रखकर हिंसाकारी प्रवृतियां हो रही हैं वे देश इस महामारी से ज्यादा ग्रस्त हैं।

भारतीय आयुष विज्ञान की मान्यता है कि मानसिक निर्मलता तथा समता भाव युक्त जिसका मन शुद्ध, निर्विकार व निरोग है उसके पावक स्नायु आदि संस्थान भी निरोग होते हैं, रक्त शुद्ध होता है, शरीर में उत्पन्न, विद्यमान सभी कीटाणुओं के लिए परपदार्थ की आवश्यकता नहीं पड़ती है। अतः जैन दर्शन की मान्यता मन की निर्मलता और समता भाव से बढ़कर शक्तिदायिनी औषधि नहीं है।

हमारा दायित्व है कि राजकीय नियमों का पालन करते हुए, जीव मात्र के मंगल के भाव रखते हुए सम्यश क्रियाएं करें। आज राष्ट्र लॉकडाउन को महामारी के ताण्डव के समाधान हेतु साध्य मानता है शुद्धि तथा पर से दूरी को उपयोगी मान रहा है। यह जैन दर्शन के 'स्व–पर' सिद्धांत को प्रमाणित करता है। अतः ध्यान साधना द्वारा आध्यात्मिकता का मार्ग अपनाकर आत्मविमुख होकर मन और शरीर का ध्यान रखते हुए क्रियाऐं करें।

–सुमति चंद जैन
खोह (अलवर)

पत्रिका सहायता

★ **श्री शिखर चन्द जी जैन,** 268 सेक्टर 5, आवास विकास कॉलोनी, बोदला, आगरा ने अपने सुपुत्र श्री संजय कुमार जैन (एडवोकेट) के दिनांक 29 जुलाई 2020 को देवलोक गमन पर उनकी पुण्य स्मृति में रु. 1100/– भेंट किये। *(र.सं. डी–2346)*

★ **श्री अशोक कुमार जी जैन** पुत्र स्व. श्री मुन्शीलाल जी जैन (हरसाना वाले) 73/46ए, मानसरोवर, जयपुर ने राजस्थान सरकार के वन विभाग में अतिरिक्त निजी सचिव से निजी सचिव उच्च पद पर पदोन्नति होने पर पत्रिका सहायता हेतु रु. 1100 /– सप्रेम भेंट किये। *(र.सं. डी–2347)*

★ **श्री सुधीर जी जैन** निवासी जवाहर नगर, भरतपुर ने अपने सुपुत्र चि. चन्द्रेश जैन संग सौ.कां. सोनाली जैन सुपुत्री श्री अजय कुमार जैन, प्रताप नगर, जयपुर हाउस, आगरा का दिनांक 11 जून 2020 को सम्पन्न शुभ विवाहोपलक्ष में रु. 1100/– सप्रेम भेंट किये। *(र.सं. डी–2294)*

★ **श्री राजीव जी जैन,** निर्मल डेयरी बूंदी ने पत्रिका सहायता हेतु रु. 1000/– सप्रेम भेंट किये। *(र.सं. डी–2285)*

★ **श्री संदीप जी जैन** निवासी बी–185, पालम एक्सटेंशन, द्वारका, सेक्टर–7, पालम ने अपनी पूजनीया माताजी श्रीमती सरला देवी जी जैन के दि. 21 फरवरी 2020 को स्वर्गवास होने पर उनकी स्मृति में रु. 1000 भेंट किये। *(र.सं. डी–2289)*

★ **श्री रघुवेन्द्र जी जैन,** अध्यक्ष पल्लीवाल जैन सभा, शाखा पालम, निवासी फ्लैट नं. 342, डीडीए एस.एफ.एस. सेक्टर 9, पॉकेट 1, द्वारका पालम ने अपनी धर्मपत्नी श्रीमती विमला देवी जैन के 9 मार्च को स्वर्गवास होने पर उनकी स्मृति में पत्रिका को रु. 1100/ भेंट किये। *(र.सं. डी–2290)*

★ **श्री सुशील कुमार जी जैन परवीन कुमार जैन** सुपुत्र स्व. श्री सुमत प्रसाद जैन, निवासी RZ-D 223, राजनगर पार्ट–द्वितीय, पालम ने अपनी पूजनीय माताजी श्रीमती बिमला देवी जी जैन का 2 मई 2020 को स्वर्गवास होने पर उनकी स्मृति में पत्रिका को रु. 1100/ भेंट किये। *(र.सं. डी–2291)*

★ **श्री बाबूलाल जी जैन** 152, बाड़ोदिया स्कीम, बनीपार्क, जयपुर (पेपर पाइन्ट, ब्लेक डोट प्रिन्ट) ने अपनी पुत्रवधु स्व. श्रीमती अन्जना जैन धर्मपत्नी श्री मनीष जैन की पुण्य स्मृति में पत्रिका सहायता हेतु रु. 1100/– भेंट किये। *(र.सं. डी–2356)*

विधवा सहायता में आर्थिक सहयोग

अ.भा.प. जैन महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री आर.सी. जैन सहाब (सेनि. आईएएस) एन–19, आदिनाथ नगर, जे.एल.एन. मार्ग, जयपुर ने एक बार फिर समाज में वैधव्य का कष्ट उठा रही महिलाओं को आर्थिक सहयोग देकर दानशीलता का परिचय दिया है।

श्री जैन सहाब ने इस हेतु महासभा को चैक नं. 245107 दिनांक 14.7.2020 का चैक, रसीद संख्या 4820 द्वारा रु. 1,20,000/– (एक लाख बीस हजार रुपये) सप्रेम भेट किये। श्री जैन सहाब गत दो वर्षो से समाज की विधवा महिलाओं के उत्थान हेतु प्रति वर्ष रु. 1,20,000/– महासभा को दे चुके हैं।

अ.भा.प. जैन महासभा उनके इस आत्मीय सहयोग के लिए सदैव आभारी रहेगी। आर.सी. जैन सहाब को साधुवाद।

पत्रिका सदस्यता

3065. **Smt. Pushpa Ji Jain,** 49-B Hastinapur-B, Maharana Pratap Marg, Near Vaishali Nagar, Jaipur-302021 (Raj.), Mob.: 8005911641 *(CR D-2354)*

3066. **Sh. Rakesh Chand Ji Jain,** Plot No. 289, Maa Hinglaj Nagar-B, Gandhi Path (West), Lalarpura, Near Vaishali Nagar, Jaipur-302021, Mob.: 9414111067 *(CR D-2355)*

3067. **Sh. Teekam Chand Ji Jain,** Deepesh Bhawan, Street Beside Bohra Marriage Home, Kumher Road, Katra, Nadbai, Distt.- Bharatpur-321602, Mob.: 8619640847 *(CR D-2350)*

3068. **Sanjana Ji Jain,** Flat No. D-1, Baake Bihari Dhaam, Near Badi Tanki, Indrapuri, New Agra, Agra-282005 *(CR D-2349)*

3069. **Sh. Kamal Kumar Ji Jain,** 103, Chhoti Chhapeti, Near Agrawal Dramsala No.1, Firozabad-283203 (U.P.) *(CR D-2293)*

विधवा सहायता

★ **श्री संजय जी जैन,** 24/97, पुनियांपाड़ा, लोहा मण्डी, आगरा ने विधवा सहायता हेतु रु. 12000/– भेंट किये। *(र.सं. 4275)*

★ **श्रीमती रीनू जी जैन,** 24/97, पुनियांपाड़ा, लोहा मण्डी, आगरा ने विधवा सहायता हेतु रु. 12000/– भेंट किये। *(र.सं. 4276)*

★ **श्री आशीष जी जैन,** 24/97, पुनियांपाड़ा, लोहा मण्डी, आगरा ने विधवा सहायता हेतु रु. 12000/– भेंट किये। *(र.सं. 4277)*

★ **श्री अंकित जी जैन,** 24/97, पुनियांपाड़ा, लोहा मण्डी, आगरा ने विधवा सहायता हेतु रु. 12000/– भेंट किये। *(र.सं. 4278)*

★ **श्रीमती रूचरा जी जैन,** 24/97, पुनियांपाड़ा, लोहा मण्डी, आगरा ने विधवा सहायता हेतु रु. 12000/– भेंट किये। *(र.सं. 4279)*

★ **श्रीमती बसन्ती देवी जी जैन,** 24/97, पुनियांपाड़ा, लोहा मण्डी, आगरा ने विधवा सहायता हेतु रु. 12000/– भेंट किये। *(र.सं. 4280)*

★ **रिधाशां जी जैन,** 24/97, पुनियांपाड़ा, लोहा मण्डी, आगरा ने विधवा सहायता हेतु रु. 12000/– भेंट किये। *(र.सं. 4281)*

★ **त्रियम्बदा जी जैन,** 24/97, पुनियांपाड़ा, लोहा मण्डी, आगरा ने विधवा सहायता हेतु रु. 12000/– भेंट किये। *(र.सं. 4282)*

★ **श्री वेदान्त जी जैन,** 24/97, पुनियांपाड़ा, लोहा मण्डी, आगरा ने विधवा सहायता हेतु रु. 12000/– भेंट किये। *(र.सं. 4283)*

★ **श्रीमती अंकिता जी जैन,** 24/97, पुनियांपाड़ा, लोहा मण्डी, आगरा ने विधवा सहायता हेतु रु. 12000/– भेंट किये। *(र.सं. 4284)*

★ **श्री शिखर चन्द जी जैन,** 268 सेक्टर 5, आवास विकास कॉलोनी, बोदला, आगरा ने अपने सुपुत्र श्री संजय कुमार जैन (एडवोकेट) के दिनांक 29 जुलाई 2020 को देवलोकगमन पर उनकी पुण्य स्मृति में रु. 1100/– भेंट किये। *(र.सं. 4777)*

★ **श्री गौरव जी जैन** पुत्र श्री विनोद कुमार जैन, उत्तम नगर, नई दिल्ली–59 ने विधवा सहायता हेतु रु. 12000/– भेंट किये। *(र.सं. 4821)*

★ **श्री रमेश चन्द जी जैन पंकज जैन** 12 रेलवे रोड, पालम कॉलोनी, नई दिल्ली–45 ने विधवा सहायता हेतु रु. 2100/– भेंट किये। *(र.सं. 4822)*

★ **श्री अमीर चन्द जी जैन** (सेनि. आर.ए.एस.) निवासी नहर रोड, गंगापुरसिटी (स.मा.) ने विधवा सहायता हेतु रु. 12000/– भेंट किये। *(र.सं. 4780)*

★ **श्री बाबूलाल जी जैन** 152, बाड़ोदिया स्कीम, बनीपार्क, जयपुर (पेपर पाइन्ट, ब्लेक डोट प्रिन्ट) ने अपनी पुत्रवधु स्व. श्रीमती अन्जना जैन धर्मपत्नी श्री मनीष जैन की पुण्य स्मृति में विधवा सहायता हेतु रु. 12000/– भेंट किये। *(र.सं. 4781)*

महासभा सहायता

★ **श्री शिखर चन्द जी जैन,** 268 सेक्टर 5, आवास विकास कॉलोनी, बोदला, आगरा ने अपने सुपुत्र श्री संजय कुमार जैन (एडवोकेट) के दिनांक 29 जुलाई 2020 को देवलोक गमन पर उनकी पुण्य स्मृति में रु. 1100/– भेंट किये। *(र.सं. 4778)*

★ **श्री बाबूलाल जी जैन** 152, बाड़ोदिया स्कीम, बनीपार्क, जयपुर (पेपर पाइन्ट, ब्लेक डोट प्रिन्ट) ने अपनी पुत्रवधु स्व. श्रीमती अन्जना जैन धर्मपत्नी श्री मनीष जैन की पुण्य स्मृति में महासभा सहायता हेतु रु. 1100/– भेंट किये। *(र.सं. 4782)*

★ **श्री पदम चन्द जी जैन** (खेरली) वर्तमान निवास अर्जुन नगर, महेश नगर, जयपुर ने अपने सुपुत्र चि. प्रशांत संग सौ.कां. जूही जैन (सुपुत्री श्री चन्द्रशेखर जी जैन, पत्रिका संयोजक) का शुभ विवाह दिनांक 03 फरवरी 2020 को सम्पन्न होने पर रु. 1100/– सप्रेम भेंट किये। *(र.सं. 4779)*

★ **श्री नरेन्द्र कुमार जी जैन** पुत्र स्व. श्री महेश चन्द जी जैन, धूलियागंज, आगरा ने अपने पुत्र चि. राहुल जैन के शुभ विवाहोपलक्ष में रु. 1111/– सप्रेम भेंट किये।

बोलने की कला

कुदरत ने हर किसी इंसान को एक बहुत बड़ी क्षमता दी है वह है बोलने की क्षमता। वाणी वह आधार है कि हमें धरती के सब प्राणियों में सिरमौर बनाती है। वाणी से ही व्यापार होता है, वाणी से ही रिश्ते बनते हैं औरवाणी से ही समाज का निर्माण होता है। पशु और इंसान के बीच अगर कोई फर्क करने वाला तत्व है तो उनमें पहला है इसान की वाणी।

आदमी शिक्षित होने के लिये पूरे पच्चीस साल लगाता है और समृद्ध होने के लिए पचास साल। परीक्षा में अनुतीर्ण होने को वह अपने जीवन की असफलता मानता है और व्यापार में होने वो नुकसान को वह अपने लिये नाकामयाबी स्वीकार करता है, किंतु व्यक्ति यदि सबसे कम और गौर किसी बात पर करता है तो वह अपने स्वयं के द्वारा बोली जाने वाली वाणी है। वाणी का मतलब यह नहीं है कि जो मुंह से निकल गया वहीं वाणी है। वाणी तो वह हुआ करती है जिसका उपयोग किया जाये तो वह व्यक्ति का भी शीतल करती है और औरों के दिलों को भी इसलिये कहते हैं –

वाणी ऐसी बोलिये मन का आपा खोय।
औरत को शीतल करे, आपहुं शीतल होय।

भले ही कोई व्यक्ति अपने गले को सजाने के लिए सोने की चेन पहने या हाथ में ब्रासलेट। चाहे कोई महिला हाथों में हीरों के कंगन पहने या नाक में सोने की नथनी, पर याद रखिये कि इंसान की शोभा बाहर के रूप–रूपायों से नहीं है। वरन् उसके द्वारा बोली जाने वाली मधुर और संस्कारित वाणी ही उसकी असली पहचान करवाती है। निश्चय ही जीवन में स्मार्टनेस का मूल्य है, पर याद रखिये स्मार्टनेस का मूल्य 20 प्रतिशत है। 80 प्रतिशत मूल्य तो हमारे द्वारा बोली जाने वाली वाणी और व्यवहार से जुड़ा हुआ है। मीठी बोली व्यवहार को भी मीठा बना देती है। और व्यक्ति का मीठा व्यवहार ही औरो के द्वारा मिठास भरा व्यवहार पाने का आधार निर्मित करता है। जो आदमी कभी कड़वा नहीं बोलता, सबके प्रति मीठी भाषा का उपयोग करता है वह अनायास ही सबसे दिलों पर राज किया करता है। मीठी वाणी के उस गुलाबी गुलदस्ते की तरह है जिसे हर कोई व्यक्ति अपने हाथों में लेना चाहता है। काश, लेने वाला व्यक्ति दूसरों को देना भी सीख जाये तो घर परिवार व समाज की आधी समस्यायें तो ऐसे ही हल हो जाये।

हो सकता है कि किसी के पास सोना ज्यादा हो और किसी के पास जवाहरात ज्यादा पर जिस व्यक्ति के पास उसकी शालीन भाषा है उसके पास सोना भी है और जवाहरात भी। उसकी तो जीभ ही हर समय सोना और जवाहरात पैदा करती रहती है। यदि कोई सज्जन आपसे नाराज है या ग्राहकों के साथ आपका संतुलन नहीं है तो आप केवल इतना सा कष्ठ उठाइए कि अपनी भाषा को मधुर और मुस्कान भरी बना लें।

हमेशा इस बात का ध्यान रखिये के जो काम सुई से निपट सकता है उसके लिए तलवार चलाना मूर्खता है जो काम रूमाल से निपट सकता है, उसके लिए रिवाल्वर चलाना बेवकूफी है। यह है आदमी की समझदारी जिसके मुंह में मधुर वचन का अमृत है, हाथों में दान का अमृत है और हृदय में दया का अमृत है, वह इंसान तो सहज ही सबको प्रिय हुहआ करता है। बोलना आदमी की पहली विशेषता है, किन्तु सत्य बोलना दूसरी विशेषता है। सत्य को भी मिठास से बोला जाये तो यह तीसरी विशेषता है।

बोली बोल अमोल है, जो कोई जाणे अमोल बोल।
अपने अंदर सोच, के पीछे बाहर खोल॥

अच्छा बोलना बीज बोने की तरह है। पाओगे आखिरर वैसा ही जैसा बीज बोओगे। बोलना अपने आप में बहुत बड़ी कला है। बोली से ही आदमी के कुल की पहचान होती है और बोली से ही व्यक्तित्व उजागर होता है। अच्छी और मधुर वाणी बोलना, सुखी, सफल और मधुर जीवन का पहला और आखिरी मंत्र है। हम अपनी वाणी को बेहतर बनाये, मधुर बनाये, प्रभावशाली बनाये। मधुर वचनों में तो वह ताकत है कि लोहे की मोटी–मोटी जंजीरों से वश में न होने वाला हाथी महावत की मीठी पुचकार सुनकर उसकी अधीनता स्वीकार कर लेता है आप भी अपनी वाणी को ठीक कीजिये और अपना करिश्माई प्रभाव देखिये।

किसी की निंदा या आलोचना करना तो उसके पापों को अपने मत्थे पर चढ़ाने के समान है। निंदक तो उस धोबी की तरह है जो बिन पानी और साबुन के भी हमारे जीवन का मैल खंगाल देता है। यदि कोई हमारी अलोचना करे तो बुरा मत मानिये। यह तो हमारे धैर्य की कसौटी है। कोई हमारे खिलाफ बोले और हम धैर्य से सुने। जीवन में सदा याद रखिये कि विनम्रता और मिठास तो दुश्मन को भी अपना मित्र बना देती है। अतः मिठास दीजिये, मिठास लीजिये।

–श्रीमति सन्तोष जैन
102/117, जय–पारस, मानसरोवर, जयपुर

भावभीनी श्रद्धांजलि

पूजनीय पिताजी स्व. श्री प्यारेलाल जी जैन चौधरी
श्रद्धेय माताजी स्व. श्रीमती असरफी देवी जी जैन
(मूल निवासी - मौजपुर, अलवर)

स्व. श्रीमती इन्दु जी जैन
(धर्मपत्नी श्री पदम चन्द जैन)
(स्वर्गवास : 30.12.2018)

हम सभी परिवार के सदस्य सादर श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुये भगवान वीर से उनकी चिर आत्मीय शांति की प्रार्थना करते हैं।

श्रद्धावनत

पुत्र :
पदम चन्द जैन
पौत्र-पौत्रवधु :
पारस जैन-रश्मि जैन,
पौत्री-दामाद :
डिम्पल-राजेश जैन
सिम्पल-नितिन जैन
प्रिती-उत्तम कोठारी
पड़पोत्री-पौत्र :
चेल्सी जैन-अक्षत जैन

पुत्र :
अनूप चन्द जैन
पौत्र-पौत्रवधु :
हेमन्त जैन-मधु जैन
पौत्री-दामाद :
सुनिता-सुनिल
अनिता-परवेश
विनिता-प्रताप
पड़पौत्र :
रोबीन-मानस

निवासः- बी-52, कीर्ति नगर, टोंक रोड, जयपुर
फोन : 0141-2706317, 9829066317, 9414055855

पूज्य पिताजी स्व. श्री कपूरचन्दजी जैन व माताजी स्व. श्रीमती अंगूरी देवी जैन की
पुण्य स्मृति में

विमल चन्द जैन (रेता वाले)

ग्रुप ऑफ कम्पनीज

DEALERS & SUPPLIERS OF SILICA SAND & OTHER GLASS RAW MATERIAL

AKHIL JAIN (M) 9899823557 • ANKIT JAIN (M) 9837478564

★ The Rajasthan Silica Sand Suppliers
★ Santosh Mineral & Chemical Co.
★ S.B. Jain Mineral Enterprises
★ Super Fine Mineral Traders
★ Shree Vimal Silica Traders
★ Quality Silica Traders

128-129, गणेश नगर,
सेक्टर प्रथम,
पानी की टंकी के सामने,
फिरोजाबाद (उ.प्र.)
सम्पर्क : 098372-53305
090128-74922
05612-260096

पुण्य स्मृति पर भावपूर्ण श्रद्धांजलि

स्व. श्री पंकज कुमार जी जैन
(एडवोकेट)

(8 नवम्बर 1977 - 29 जुलाई 2020)

रहने को इस दुनिया में कोई आता नहीं !
जिस तरह गए तुम वैसे कोई जाता नहीं !!

हम सब परिजन आपके प्रेरणादायक जीवन व आदर्शों को
हृदयस्थ रखते हुए श्रद्धासुमन अर्पित करते हैं

श्रद्धावनत

तारा देवी-शिखर चन्द जैन *(माता-पिता)*
शालू जैन *(पत्नी)*
आन्या (पीहू) जैन *(पुत्री)*
इंद्रा देवी-घासी लाल जैन *(नानी-नाना)*
(हिंडौन सिटी)

भाई-भाभी :
संजय कुमार जैन-श्वेता जैन
अनुज-अनुज वधु :
शैलेश कुमार जैन-दीपा जैन
बहिन-बहनोई :
आरती-अजय जैन *(जयपुर)*

भतीजी, भतीजे : मुस्कान ,शौर्य, काव्य, दर्श
भानजे, भानजी : अर्पण, अनुष्का

ससुराल पक्ष :
सास-ससुर :
उर्मिला-प्रह्लाद कुमार जैन
ज्योति नगर आगरा
साला-सरहेज :
आशीष जैन-प्रतीक्षा जैन

निवास

368, सेक्टर-5, आवास विकास कॉलोनी, बोदला, आगरा
204, सेक्टर-7, आवास विकास कॉलोनी, बोदला, आगरा
मो.: 9897433822, 9568340024, 9997135620, 9719194980

प्रथम पुण्यतिथि पर सादर श्रद्धांजलि

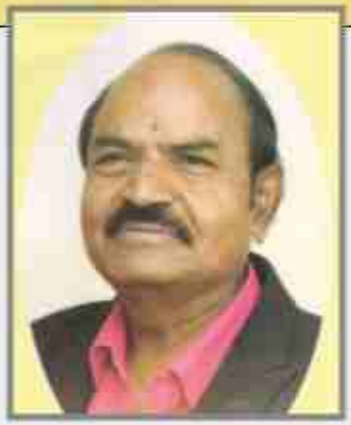

अवतरण :
13 दिसम्बर 1956

स्वर्गारोहण :
7 अगस्त 2019

स्व. श्री डॉ. धर्मचन्द जी जैन

हम सभी परिवारजन आपको स्मरण करते हुए श्रद्धापूर्वक नमन करते हैं।

भावभीनी श्रद्धांजलि

करते हैं अर्पित हम श्रद्धांजलि आपको, परमात्मा में विलिन रहे आत्मा आपकी।
मोक्ष हो, मोह माया का अंश भी न हो, नश्वर जग से सुदूर रहे जीवात्मा आपकी॥

श्रद्धावनत

श्रीमती सुनीता जैन (पत्नी)

भाई-भाभी :
पदमचन्द जैन-विजय लक्ष्मी जैन
अशोक कुमार जैन-मीरा जैन
अजीत कुमार जैन-सविता जैन

पुत्री-दामाद :
नेहा जैन-अमित जैन
डॉ. प्रीति जैन-डॉ. प्रदीप जैन

बहन-बहनोई :
मंजू जैन-ओम प्रकाश जैन

पुत्र-पुत्रवधु :
सीए धीरज जैन-आरुषि जैन
वर्धमान जैन-पूनम जैन
श्रीपाल जैन-अर्चना जैन
अमन जैन, मयंक जैन, तुषार जैन

पुत्री-दामाद :
ज्योति-सुशील जी
सोनम-मोहित जी
अंकिता-अंकुर जी

नवासा, नवासी एवं पौत्र, पौत्री :
चार्वी, श्रेयांश, मौलिक, हर्षवी, अक्षत, दिवांशी, रिशान, पावन

निवास : 3 क्यू 33, तलवण्डी, केशवपुरा चौराहे के पास, कोटा

With Best Compliments From

Authorised Distributor for

- ★ Johnson & Johnson Ltd.
- ★ SD. BIO SENSOR
- ★ Ortho Clinical Diagnostics
- ★ Lifescan-Division, for one touch Brand Glucometers & Strips.
- ★ Biorad Laboratories
- ★ Alere Medical
- ★ Transasia Biomedical Ltd.
- ★ LILAC Medicare

Sanjay Jain - Rajeev Jain

S.R. Enterprises

223, Bichoon Market, Kishanpole Bazar, Jaipur-302 003
Ph.: (O) 2322089, 2323903 (R) 2546017 • Fax : 0141-4022089
(M) +91-98290 12628, 94140 76265

कक्षा 10वीं एवं 12वीं के वर्ष 2020 में घोषित बोर्ड परीक्षा परिणाम में 90% एवं ज्यादा अंक लाने वाले पल्लीवाल समाज के बच्चों को हार्दिक शुभकामनाऐं

आदिश्री जैन - X 94.6%
पुत्री डॉ. स्वाति एवं श्री शिरिष कोटिया
सी-359, प्रधान मार्ग, मालवीय नगर, जयपुर

NA

अमन जैन - X 93.3%
पुत्र श्रीमती शालू एवं श्री शीतल कुमार जैन
न्यू ब्रह्मपुरी कॉलोनी, मण्डावरा रोड, हिण्डौन सिटी

समय जैन - XII 94.4%
पुत्र श्रीमती ममता एवं श्री निर्मल जैन
आगरा

गौतम जैन - X 93%
पुत्र श्रीमती दीप्ति एवं श्री मुकुल कुमार जैन
ए-20, तुलसी नगर, शास्त्री नगर, जयपुर

NA

अदिती जैन - XII 95.4%
पुत्री श्रीमती सीमा एवं श्री रवि कुमार जैन
वैशाली नगर, जयपुर

रियांशु जैन - XII 95.8%
पुत्र श्रीमती अलका एवं श्री कैलाश चन्द जैन
उदयपुर

दिव्या जैन - X 93%
पुत्री श्रीमती स्वीटी एवं डॉ. संदीप जैन
40, कला कुंज, मारूति इस्टेट, बोदला, आगरा

बुद्धिमानी और परोपकार

संसार में लगभग सभी लोग सेवा करते हैं किन्तु सभी लोग सेवा के बदले कुछ ना कुछ चाहते हैं। भाग्यशाली वह है जो निःस्वार्थ सेवा में जुट कर अपना कल्याण करता है।

एक राज्य में ऐसा ही एक मंत्री था जो बिना किसी स्वार्थ के लोगों की सेवा करता था। किसी दुर्घटना में मंत्री की दोनों आँखों की ज्योति चली गई, राजा ने उन्हें आराम के लिए मंत्रिमंडल से विदाई दे दी।

कुछ दिन बाद दूसरे राज्य के राजा ने, राजा के पास एक पत्र और सुरमे की एक छोटी सी डिबिया भेजी। पत्र में लिखा था कि जो सुरमा भिजवा रहा हूं, वह अत्यंत मूल्यवान है..., इसे लगाने से अंधापन दूर हो जाता है। राजा सोच में पड़ गया, वह समझ नहीं पा रहा था कि इसे किस-किस को दें। उसके राज्य में नेत्रहीनों की संख्या अच्छी-खासी थी, किन्तु सुरमे की मात्रा बस इतनी थी जिससे 'केवल दो आंखों' की रोशनी लौट सके। तभी राजा को अचानक अपने अंधे मंत्री की स्मृति हो आई, राजा ने सोचा कि यदि उसकी आंखों की ज्योति वापस आ गई तो उसे उस योग्य मंत्री की सेवाएं फिर से मिलने लगेगी। राजा ने मंत्री को बुलावा भेजा और उसे सुरमे की डिबिया देते हुए कहा- 'इस सुरमे को आंखों मे डालें, आप पुनः देखने लग जाएंगे। ध्यान रहे यह केवल 2 आंखों के लिए है'।

मंत्री ने एक आंख में सुरमा डाला। उसकी रोशनी आ गई..., उस आंख से मंत्री को सब कुछ दिखने लगा। फिर उसने बचा-खुचा सुरमा अपनी जीभ पर डाल लिया। यह देखकर राजा चकित रह गया, उसने पूछा- 'यह आपने क्या किया?' अब तो आपकी एक ही आंख मे रोशनी आ पाएगी, लोग आपको काणा कहेंगे।'

मंत्री ने उत्तर दिया- 'राजन, चिंता न करें..., मैं काणा नहीं रहूंगा, मैं आंख वाला बनकर हजारों नेत्रहीनों को ज्योति दूंगा। मैंने चखकर यह जान लिया है कि सुरमा किस चीज से बना है, मैं अब स्वयं सुरमा बनाकर नेत्रहीनों को बांटूंगा।'

राजा ने मुग्धभाव से मंत्री को गले लगा लिया और कहा- 'यह हमारा सौभाग्य है कि मुझे आप जैसा मंत्री मिला, यदि हर राज्य के मंत्री आप जैसे हो जाएं तो किसी को कोई दुख नहीं होगा।'

TRAFO
Power & Electricals Pvt. Ltd.

TRAFO POWER & ELECTRICALS PVT. LTD.

AN ISO 9001:2008 COMPANY

PRODUCTS

-POWER & DISTRIBUTION TRANSFORMERS

-PRESSED STEEL RADIATORS

-SPECIAL PURPOSE TRANSFORMERS

-PACKAGE SUBSTATION

CONTACT

Trafo Power & Electricals Pvt. Ltd.
C-20 Site-C U.P.S.I.D.C., Industrial Area, Sikandra,
Agra, Uttar Pradesh - 282007, India

Phone No : +91-562-3290391
Fax : +91-562-2640388
E-mail : info@trafo.co.in

शोक संवेदना

श्री मुन्नालाल जी जैन पुत्र स्व. श्री छेदालाल जी जैन (मिढाकुर वाले) निवासी ज्योति नगर, आगरा का स्वर्गवास दि 1.7.2020 को हो गया है। आप धार्मिक एवं मिलनसार स्वभावी थे। आप शाखा ग्रामीण अंचल (आगरा) से भी काफी समय से जुडे रहे और समय–समय पर योगदान करते रहते थे।

श्री पंकज कुमार जी जैन (एड.) सुपुत्र श्री शिखर चन्द जैन, आवास विकास कॉलोनी, बोदला, आगरा का अल्पायु में स्वर्गवास दिनांक 29.7.2020 को हो गया है। आप समाजसेवी, मिलनसार व धार्मिक भावना से ओतप्रोत थे।

श्री रामजीलाल जी जैन (कलकत्ता वाले) महुआ, का दिनांक 16.8.2020 को स्वर्गवास हो गया है। आप सरल हृदयी, धार्मिक, समाजसेवी, मिलनसार व्यक्तित्व के धनी थे।

अखिल भारतीय पल्लीवाल जैन महासभा वीर प्रभु से उपरोक्त आत्माओं को शान्ति प्रदान करने की प्रार्थना करते हुए शोक संवेदना प्रकट करती है।

ज्योतिष विद्या में रोजगार

जिन विद्यार्थियों को बी.ए. या एम.ए. में एडमिशन लेना है वह ज्योतिष विद्या (एस्ट्रोलॉजी) को एक विकल्प के तौर पर चुन सकते हैं। हमारे समाज में आज भी लोग ज्योतिष विद्या में विश्वास रखते हैं, सभी अपने भविष्य को लेकर चिंतित रहते हैं और ज्योतिषी/पंडित के पास जाते हैं, ज्योतिष को प्रोफेशन बनाकर बतौर एस्ट्रोलॉजर आप एस्ट्रोलॉजी से संबंधित संस्थाओं में काम कर सकते हैं।

1. समाचार पत्रों में भविष्य फल एवं राशि बनाने वाले सेक्शन में काम कर सकते हैं।

2. न्यूज चैनल अथवा धार्मिक चैनल में भविष्य फल बताने वाले प्रोग्राम में बतौर एस्ट्रोलॉजर काम कर सकते हैं।

3. मैट्रीमोनियल वेब साइट्स में भी काम कर सकते हैं।

4. आप अपनी खुद की कंसल्टेंसी चला सकते हैं, अच्छा नेटवर्क और मार्केट मिलने पर आप अच्छे ज्योतिषी बन कर अपना नाम कमा सकते हैं।

कोर्स करने के लिए अच्छे संसाधन निम्न हैं–

1. इंस्टिट्यूट ऑफ एस्ट्रोलॉजी, भारतीय विद्या भवन, दिल्ली (www.bvbdelhi.org)

2. काशी हिन्दू विश्वविद्यालय वाराणसी (www.bhu.ac.in)

3. महर्षि इंस्टिट्यूट ऑफ वैदिक एंड मैनेजमेंट साइंसेज, भोपाल (www.mivms.com)

4. लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली (www.shsrsv.ac.in)

5. डिपार्टमेंट ऑफ फ्यूचर्सस्टडीज, यूनिवर्सिटी ऑफ केरला, तिरूवनंतपुरम् (www.keralauniversity.ac.in)

–आर.सी.जैन (रिटायर्ड बैंक मैनेजर)
एम10, महाऋषिपुरम, अमर उजाला के पीछे, सिकंदरा, आगरा

शाखा समाचार

शाखा दिल्ली

दिल्ली शाखा हमेशा सामाजिक, धार्मिक एवं परमार्थ कार्य करती रही है। इस कोरोना के समय में दिल्ली शाखा की ओर से पीएम केयर रिलीफ फण्ड में रु. 51,000/– राशि भेजी गई एवं सभी सदस्यों ने अपने–अपने क्षेत्र में जरूरतमंद लोगों को तन–मन–धन से सहयोग दिया (राशन दवाई आदि)।

श्री प्रकाश चन्द विजय कुमार लड्डूघाटी वालों ने रु. 75,000/– के मास्क व सैनिटाइजर बांटे, वे धन्यवाद के पात्र हैं। विनोद कुमार जैन ने पीएम केयर रिलीफ में रु. 11,000/– राशि भेंट की।

शाखा ग्रामीण अंचल, आगरा

श्री 1008 आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर मिढाकुर में देवाधिदेव श्री 1008 पार्श्वनाथ भगवान का मोक्ष कल्याणक निर्वाण दिवस श्रावण शुक्ला सप्तमी दिनांक 26.07.2020 को सुबह पूजा अर्चना व शांति धारा के बाद लड्डू चढ़ाया गया। सभी जैन धर्मावलंबियों बन्धुओं ने समय पर मंदिर पहुंच कर धर्म लाभ लिया।

हमारे प्रेरणा स्त्रोत एवं मार्गदर्शक परम पूज्य

स्व. दीवान श्री मदन लाल जी जैन एवं श्रीमती सरला जैन

की पुण्य स्मृति पर हम सभी परिजन अश्रुपूरित नेत्रों से

श्रद्धा सुमन अर्पित करते हैं।

स्व. दीवान श्री मदनलाल जी जैन
(10.07.2002)

स्व. श्रीमती सरला जी जैन
(19.08.1996)

पुत्र-पुत्रवधु :

महेन्द्र कुमार जैन-लता जैन,
(संगठन मंत्री महासभा)
बसंत कुमार जैन-हिमानी जैन,
मुकेश कुमार जैन-निशा जैन,

मनीष कुमार जैन - अम्बिका जैन,
(महाप्रबंधक जेके लक्ष्मी सीमेन्ट, सिरोही) (पूर्व अध्यक्ष महिला मंडल जयपुर)
ई. नीरज कुमार जैन-रानू जैन *(यू.के.)*,
श्रीमती सुषमा जैन (पत्नी स्व. श्री धीरज कुमार जैन)

पौत्र-पौत्रवधु :
ई. सागर-आकर्षी *(नार्वे)*

पौत्री-दामाद :
ई. शारूल-अपूर्व *(यू.एस.ए.)*

पौत्र, पौत्री :
ई. शुभम, सिद्धार्थ, क्षितिज, यशोवर्धन, मीमांशा, प्रीशा, अरहन एवं सिल्की देवम् ***(प्रपौत्र)***

निवास :
ए-12, श्री सुंदर सिंह भंडारी नगर, न्यू सांगानेर रोड, सोडाला, जयपुर
39, रेलवे हाऊसिंग सोसायटी, माला रोड, कोटा
मोबाईल : 9352600276, 9413345939, 9785455587

चतुर्थ पुण्यतिथि पर भावभीनी श्रद्धांजलि

जन्मतिथि :
10-01-1936

महाप्रयाण :
15-08-2016

स्व. श्री हरिश चन्द्र जी जैन (बाऊजी)

हमारे लिए अमिट प्रेरणा और महान आदर्श का मार्ग प्रशस्त कर
स्वयं सदैव के लिए ब्रह्मलीन हो गये।
हम उन्हें श्रृद्धा सुमन अर्पित करते हैं।

श्रद्धावनत

श्रीमती विमला जैन (धर्मपत्नी)

पुत्र-पुत्रवधु :
डॉ. विपिन-डॉ. अंशु
डॉ. विनय-डॉ. रजनी
विनीष-मंजू

दोहिता, पौत्री, पौत्र :
अनिकेत, परिधी,
अंकिता, नंदिता, रक्षिता,
यशिता, प्राज्ञ, प्रांजल

पुत्री-दामाद :
वीणा-सुधीर जैन

निवास

2/2, मुक्ता प्रसाद नगर, बीकानेर, राजस्थान
फोन : 9414055208, 0151-2252430

परमपूज्य पिताजी व माताजी की पुण्यतिथि पर श्रद्धा सुमन

स्व. श्री आनन्द चन्द जी जैन
पुण्य तिथि 10.08.2011

स्व. श्रीमती कैलाश देवी जी जैन
पुण्य तिथि 17.04.2009

आपका स्नेह, सद्व्यवहार, धर्मपरायणता, सेवा भावना एवं प्रेरणादायक चरित्र सदैव हमारा मार्ग दर्शन करता रहेगा।
हम सभी आपको शत् शत् नमन करते हुये अश्रुपूरित श्रद्धान्जलि अर्पित करते हैं।

श्रद्धावनत

पुत्र-पुत्रवधु :
शिखर चन्द जैन-राजरानी जैन
मुकेश चन्द जैन-मधु जैन
दिनेश चन्द जैन-कविता जैन
भूपेन्द्र चन्द जैन

पुत्री-दामाद :
तिलोत्मा जैन-महेश चन्द जैन
अर्चना जैन-शीतल प्रसाद जैन
स्व. वन्दना जैन-विमल कुमार जैन

पौत्र, पौत्री :
दीपक जैन, हिमांशु जैन
दीपिका जैन, आरती जैन

दोहते, दोहति :
अमित, सुमित, प्रदीप,
सन्दीप, अंकुर, अभिषेक,
सविता जैन

निवास :
ई-11, रामनगर विस्तार, हवा सडक, सोडाला, जयपुर
मोबाइल : 9414539630, 9460709025

भावभीनी श्रद्धांजलि

स्व. श्री रामजीलाल जी जैन

महुआ (कलकत्ता वाले)

(जन्म : 6.7.1937) (स्वर्गवास : 16.8.2020)

हम सभी परिवार जन अश्रुपूरित नेत्रों से श्रद्धा सुमन अर्पित करते हैं।
आपका सद्व्यवहार, सेवा भावना एवं प्रेरणादायक चरित्र
हमारा सदैव मार्गदर्शन करता रहेगा।

श्रद्धावनत

पुत्र-पुत्रवधु :
केशव कुमार-मिथलेश जैन

पुत्री-दामाद :
माया जैन-राजेन्द्र जैन
उर्मिला जैन-विमल चन्द जैन
कमला जैन-घनश्याम जैन
सुनिता जैन-राजेन्द्र जैन
पुष्पा जैन

पौत्र :
पवन जैन

पौत्री-पौत्री दामाद :
नीतू जैन-पंकज जैन
नीलम जैन-मुकेश जैन
डॉली जैन-अभिषेक जैन
प्रियंका जैन-राजकुमार जैन
रजनी जैन-अचिन जैन

निवास :
216, तीजा नगर, गली नं. 4, सिरसी रोड, पॉच्यावाला, जयपुर
मो.: 9038471750, 9673908768

चतुर्थ पुण्यतिथि पर सादर श्रद्धांजलि

जन्म :
9 दिसम्बर 1936

स्वर्गवास :
9 सितम्बर 2016

स्व. श्री स्वरूप चन्द्र जी जैन

(अटारी वाले)

हम सभी परिवार के सदस्यों की ओर से भावभीनी श्रद्धांजलि।
आपका कर्मठ व्यक्तित्व सदा हमारी प्रेरणा बना रहे।

श्रद्धावनत

धर्मपत्नी : शीला जैन

पुत्र-पुत्रवधु : डॉ. अनिल-डॉ. शैली जैन

पुत्री-दामाद :
प्रतिभा-श्रीमोहन
ज्योत्सना-निर्मल
साधना-अनुपम

पौत्र, पौत्री :
अक्षत, आरुषि
समकित, सोनल

निवास :
सी-1/28, पोकेट-4, केन्द्रीय विहार, सेक्टर 82, नोयडा (यू.पी.)

PRODUCTS :
Transmission Line Towers (HT&LT), Telecom Towers, Wind Mill Structures, Sub-Station Structures, Lattice Structures, RSJ Poles & GI Earthing Strips.

FULLY EQUIPPED ULTRA MODERN FABRICATION AND GALVANIZING PLANT WITH EOT CRANES, HOISTS, POWER TROLLEYS, TESTING LABS & ETP SYSTEM TO ENSURE GREEN ENVIRONMENT

Fabrication & Galvanizing done as per
IS, BIS, ASTM, DIN & ISO Standards
Bath Size : 9m (L) x 0.8m (W) x 1.4m (D)
Plant Capacity : 18000 Tons / Year

Vijay Transmission
PVT. LTD.

Plant :
PNH No. 100, Village Kanhera, Block Dharsiva, Uria Acholi Marg, Dist. Raipur-492001
Tel.: (0771) 305 4900 • Fax : (0771) 232 3162

Corporate Office :
210, 211, 2nd Floor, Kamla Space, S.V. Road, Santacruz (West), Mumbai-400054
Tel.: 022-262183401 • Fax : +91-022-26609915
E-mail : info@vijaytransmission.com

NEET PG परीक्षा में उत्तीर्ण होने और जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज अजमेर में
बाल एवं शिशु रोग विशेषज्ञ शाखा में चयनित होने पर

हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

डॉ. शुभ्रा जैन

(सुपौत्री स्व. श्री हर्षचंदजी एवं श्रीमती शकुंतला देवी जी)
(सुपुत्री श्री अनुज कुमार एवं श्रीमती सरिता जैन, अजमेर)

शुभेच्छु

बाबूलाल एवं उषा जैन, रसोदपुर वाले *(नाना-नानी)*
मनोज कुमार *(बैंक अधिकारी)* एवं डॉ. दीपाली जैन *(मामा-मामी)*
डॉ. सुनीता, सीमा-राजीव, डॉ. नीलाक्षी-डॉ. मुकेश जैन *(मौसी-मौसाजी)*
डॉ. अनुदीप जैन (MS ENT) *(भाई)*
डॉ. मिहारिका-डॉ. सजल जैन *(दीदी-जीजाजी)*

निवास : 80/25, पटेल मार्ग, मानसरोवर, जयपुर, मो.: 9414707840

वैवाहिकी

सूचना

1. पत्रिका में प्रकाशित वर/वधू की तलाश के अंतर्गत विवरण की सत्यता से सम्पादक अथवा पत्रिका का किसी भी प्रकार का दायित्व नहीं हैं। वर/वधू दोनों पक्ष पूर्ण जानकारी अपने स्तर से करने के बाद ही संबंध स्थापित करें।
2. पात्रों के विवरण में आयु के स्थान पर जन्मतिथि तथा आय चार/पांच अंको में, के स्थान पर वास्तविक आय लिखें।

नोट : प्रकाशन योग्य सामग्री एवं संबंध होने की सूचना पत्रिका संयोजक को प्रषित करें जिससे आगामी अंक में विज्ञापन का प्रकाशन किया जाये या न किया जाये।

वर की तलाश

★ **Tanvi Jain** (Manglik) D/o Sh. Devendra Kumar Jain, DoB 21.06.1993 (at Jhansi), Height 5'-3", Education- B.Com., MBA (Finance) from Jaipuriya Institute Lucknow, Job- Deloitte Hyderabad as TC(II), Packege- 7.20 LPA, Gotra : Self- Chandpuriya, Mama- Maimunda, Contact 124, Ratanpura Nagra, Jhansi (UP), Mob.: 9450934357, 7007754380 *(July)*

★ **Deepanshi Jain** D/o Sh. Pradeep Kumar Jain, DoB 29.11.1986 (at 2:20:17 A.M, Lucknow), Height- 5'-2", Education- B.Com, MBA, C.S, LLB, Job- Service, Gotra : Saketiya, Contact : 20-A, Khun-Khun Ji Road Chowk, Lucknow (U.P), Mob.: 9335263546, Email : deepanshi.jain29@gmail.com *(July)*

★ **Dr. Radhika Jain** D/o Sh. Ajay Kumar Jain, DoB 02.01.1991 (at 17:15 hours, Mumbai), Height- 5'-6", Slim & Fare, Education- Master of Dental Surgery (Prosthodontics), Working as Senior Resident at PGI, Chandigarh, Gotra : Self- Maimuda, Mama- Nageswaria, Contact : Tower 15, Flat 303, Orchid Petals, Sector 49, Sohna Road, Gurugram-122018, Mob.: 9953066067, 9999048040, Email : akj000@gmail.com *(July)*

★ **Amisha Jain** (Magalikh) D/o Sh. Kamal Kumar, DoB 10.07.1997 (at 1:45pm), Height- 5'-2", Eduaction- B.Com. & MBA, Job- Mutual Fund in HDFC Bank, Agra, Gotra : Self- Thkuriya, Mama- Chodha, Mob.: 7351568144, 7417650935 *(July)*

★ **Ayushi Jain** D/o Dr. Pawan Jain, DoB 08.03.1995 (at 08:02 am, Agra), Height- 5Ft., Education- M.Sc. (Statistics), B.Ed. (CTET, UPTET Qualified), CCC, Teacher Private School, Gotra : Self- Januthuriya, Mama- Maimuda, Contact : 56, Ashok Nagar, Agra-282002, Mob.: 9760312439, 7409907885, Email : jainayushi0803@gmail.com *(July)*

★ **Nitasha Jain** D/o Sh. Rajesh Kumar Jain, DoB 05.07.1993 (at 01:45 am, Shivpuri), Height- 5'-4", Education- B.Com., MBA, Job- Working at TCS, Gotra : Rajoriya, Contact : 9425765937, 9993978225, 9926689177 *(July)*

★ **Maitrai Jain** D/o Sh. Gajendra Kumar Jain, DoB 16.02.1996 (at 06:25 am, Jaipur), Height- 5'-5", Education- BCA, MCA, Job- Teaching, Gotra : Self- Athavarsiya, Mama- Baintariya, Contact : B-54, Kirti Nagar, Near Jain Mandir, Tonk Road, Jaipur-302018, Mob.: 9785812282, 9680154136, 8058157610 *(July)*

★ **Akanksha Jain** D/o Sh. R.C. Jain, DoB 03.08.1990, Height- 5'-5", Education- B.Tech., Computer Sc. & Engg., Job- Officer in Nationalised Bank, Gotra : Self- Pavatia, Mama- Saraf, Contact : 1-D-17, Chopasni Housing Board, Jodhpur-342008, Mob.: 9828453230, Email : jain21rc@gmail.com *(July)*

★ **Deepali Jain** (Manglik), DoB 31.10.1992 (at 11:48 pm, Hindaun), Height- 5'-1", Education- M.Tech. (EC). Job- A.M. (ICICI Bank Hindaun City), Gotra : Self- Badvsuta, Mama- Nangesuriya, Contact : Opp. Chandra Sr. Sec. School, Mohan Nagar, Hindaun City, Dist. Karauli, Mob.: 9414409922, 9079205098 *(July)*

★ **Ruchi Jain** D/o Sh. Surendra Kumar Jain, DoB 01.12.1994 (at 04:13 am, Ahmedabad), Height- 165cm, Education- B.E. in Power Electronics, Working as a Probationary Officer at Union Bank of India (PSB), Gotra : Self- Kherastiya, Mama- Athvarsiya, Contact : 7359281129, 9574308828, Email : surendrajain6064@gmail.com *(July)*

★ **Payanshi Jain** D/o Sh. Yashwant Kumar Jain, DoB 08.09.1994 (at 1:07 pm, Jaipur), Height- 5'-5", Education- B.Tech (Computer Science) from MAIET Mansarovar, Jaipur, Occupation- Digital Marketer and Content Writer, Salary- 3 LPA, Gotra : Self- Chourbambar, Mama- Garg (Agarwal Jain), Contact : A-14, Usha Vihar, Triveni Nagar, Gopalpura by pass, Jaipur, Mob.: 9414280582 *(July)*

★ **Ana Jain** D/o Late Sh. Umesh Chand Jain, DoB 15.04.1995 (at 12:10 am, Aburoad), Height- 5'-6", Education : B.Tech. Jaipur, Job- Software Engineer Eurofins IT Solutions, Bangalore, Gotra : Self- Lohkarodiya, Mama- Kotia, Contact : Sh. P.C. Jain (Tauji) Opp. Mahavir Takies, 15, Mahavir Colony, Aburoad (Sirohi), Mob.: 7014562276, 8003893899, 9461633255, Email : prakash.chand.jain2@sbi.co.in *(July)*

★ **Priyanshi Jain** D/o Sh. Satish Chand Jain, DoB 01.11.1994 (at 12:20 pm, Gwalior), Height- 5'-3", Educational : B.E. (Computer Science) from ITM Gwalior, Occupation- Working at Axtria India Pvt. Ltd. Gurgaon, Gotra : Self- Bariwar, Mama- Sengarwasiya, Contact : Suresh Chand Satish Chand Jain, Lohiya Bazar, Lashkar, Gwalior, Mob.: 9425753451, 9425109863, 8989474692, Email : jain.palash1992@gmail.com *(July)*

★ **Shaifali Jain** D/o Sh. Sunil Kumar Jain, DoB 11.08.1994 (at 10:20 PM, Agra), Height- 5'-7", Education- B.Tech (CS), Occupation- Software Engineer, Gotra : Self- Barwasiya, Mama- Gwalriya, Contant : Plot No. 6, Bodla Bichpuri Road, Agra, Mob.: 9897454782, 9259222342 *(Aug.)*

★ **Shweta Jain** D/o Late Sh. Subhash Chandra Jain, DoB 25.07.1993 (at 06:58 pm, Alwar), Height- 5'-3.5", Fair and Smart, Education- B.Tech (NIT Jalandhar), M.Tech (NIT Surathkal), Working in Ford Ahmedabad, Income- 10 LPA, Gotra : Self- Ladodiya, Mama- Nangeswariya, Contact : Poornima Jain, Alwar, Mob.: 7597738470, Email : scjpar@gmail.com *(Aug.)*

★ **Deepika Jain** D/o Late Sh. Jagdish Chand Jain, DoB 10.02.1991 (12:05 pm, Gangapur City), Height- 5'-4", Education- Graduate, Pursuing B.Lib., Gotra : Self- Nagesuriya, Mama- Rajoriya, Contact : G-1, Prempush Colony, Ridhi Shidhi, Jaipur, Mob.: 9460124713, 7303692848, 9983671716 *(Aug.)*

★ **Deepti Jain** D/o Sh. Mahendra Kumar Jain, DoB 07.08.1993 (at 5:23 PM, Shivpuri M.P.), Height- 5'-3", Education- B.E. (CS), Job- Software Developer in AMDOCS Ltd. Gurgaon, Income 8.5 LPA, Gotra : Self- Mahila, Mama- Rajoriya, Contact : M.K. Jain (LIC), Flat No. 202, Gokuldham Niwas, Udaji ki Payga, Janakganj, Lashkar, Gwalior, Mob.: 9329237905, 7067810928 *(Aug.)*

★ **Pooja Jain** D/o Sh. Kamal Kishor Jain, DoB 01.08.1991, Height 5'-3", Education- M.A. (Hindi, Political Science), B.Ed., Gotra : Self- Daduriya, Mama- Nageshriya, Contact : 14, Dronpuri Singh Marg, Jaipur, Mob.: 9461588831, 9314916286 *(Aug.)*

★ **Sonakshi Jain** (Anshik Manglik) D/o Sh. Yogesh Kumar Jain, DoB 27.03.1993 (at Agra), Height- 5'-4", Education- B.Tech. in Electrical and Electronics from Shiv Nadar University and MBA in Finance from USMS, Currently working with Tata Power Delhi Distribution Limited as an Asst. Manager, Package 9 LPA, Gotra : Self- Baderia, Mama- Chaudhhary, Contact : 7060928794,9634081372 *(Aug.)*

★ **Archana Jain** D/o Sh. Sumer Chand Jain, DoB 11.11.1989 (at Alwar), Height 5 Feet, Education- M.A. (Hindi), B.Ed., Gotra : Self- Sangarwasiya, Mama- Chaudhary, Contact : Sh. Sumer Chand Sudhir Jain, Plot No. 213, Vivek Vihar, Scheme No. 10A, Distt. Alwar-301001 (Raj.), Mob.: 9982154002, 9982993200 *(Aug.)*

वधू की तलाश

कृपया दहेज लोभी पत्रिका में प्रकाशनार्थ विज्ञापन न भेजें

★ **विवेक जैन** पुत्र श्री लक्ष्मण प्रसाद जैन, जन्मतिथि 23 जुलाई 1991 (दोपहर 1:30 बजे), कद 5'-9'', जॉब- कॉमर्शियल असिस्टेंट (जे.वी.वी.एल.एल. राज्य सरकार हिण्डौन), गोत्र : स्वयं- बडवासीया, मामा- बयानिया, सम्पर्क : 1. एफ-63, मोहन नगर, हिण्डौन, जिला करौली (राज.), 2. 145, शिवम् विहार, कालवाड़ रोड, हाथौज, जयपुर, मो.: 9414754844, 9530171091, ईमेल : vivek.jain23791@gmail.com *(जुलाई)*

★ **रितेश जैन** पुत्र श्री द्वारका प्रसाद जैन, जन्मतिथि 10 अक्टूबर 1978, कद 5'-3'', शिक्षा- एम.ए., एम.कॉम., बी.एड., जॉब- उ.प्र. सिविल कोर्ट जूनियर क्लर्क, वेतन- 30 हजार प्रति माह, गोत्र : स्वयं- कोटिया, मामा- जनूथरिया, सम्पर्क : 5/148, सोंठ की मण्डी, आगरा, मो.: 9152659213, 9897895220 *(जुलाई)*

★ **अंकुश जैन** पुत्र स्व. श्री शिखर चन्द जैन, जन्मतिथि 15 अगस्त 1989 (रात्रि 12 बजे), कद 5'-5'', शिक्षा- बी.ए., सॉफ्टवेयर, हार्डवेयर नेटवर्किंग, जॉब- राजकीय सेवा (शिक्षा विभाग) में कार्यरत, गोत्र : स्वयं- सांरग, मामा- जनूथरिया, सम्पर्क : दिनेश कुमार जैन, जगतपुरा, जयपुर, मो.: 9461672597, 8279428939 *(जुलाई)*

★ **विवेक जैन** पुत्र स्व. श्री विनोद कुमार जैन, दादा- श्री शिवचरण लाल जैन (मण्डावर वाले), जन्मतिथि 27.08.1993 (सायं 5:55 बजे, मण्डावर), कद- 5'-5'', शिक्षा- बी. कॉम., व्यवसाय- थोक व्यापारी दड़ा मार्केट, जौहरी बाजार, आय- लाखों में प्रति माह, गोत्र : स्वयं- कोटिया, मामा- सैंगरवासिया, संपर्क : 78/71, अरावली मार्ग, शिप्रा पथ, मानसरोवर, जयपुर, मो.: 9352256629, 9414067972 *(अगस्त)*

★ **हिमांशु जैन** पुत्र श्री जितेन्द्र कुमार जैन (कानपुर), जन्मतिथि 29.05.1991 (रात्रि 11:55 बजे), कद- 5'-9'', शिक्षा - बी.ए. राजस्थान यूनिवर्सिटी जयपुर, व्यवसाय : इलेक्ट्रॉनिक पार्ट्स होलसेल कार्य जयपुर, गोत्र : स्वयं- बाकेवाले, मामा- बड़ेरिया, सम्पर्क : 43/169-बी, चौक सर्राफा बाजार, कानपुर मो.: 9887369510, 9554957467 *(अगस्त)*

★ **Janu Jain** S/o Sh. Basant Kumar Jain, DoB 15.09.1994 (at 07:30PM, Alwar), Height- 5'-10", Education- B.Tech (Computer Science), Occupation- Own Business of Manufacturing & Wholeselling of Men's Garments, Income- 10+ Lakh Annually, Gotra : Self- Chaudhary, Mama- Badwasia, Contact : D-36A, Road No. 4, Opp. MBD School, Shyam Vihar, Najafgarh, New Delhi, Mob.: 9818189235, 9313287248, Email : jaini.robinjain@gmail.com *(July)*

★ **Sanjay Jain** S/o Sh. Mahaveer Prasad Jain, DoB 13.12.1991 (at 7:50 am, Delhi), Height- 5'-7", Education : BBA, MA, Occupation : Businessman,

Gotra : Self- Chaudhary, Mama- Barbasiya, Contact : House No. 1 Block C, Near Bank of India, Sangam Vihar, New Delhi-110080, Mob.: 9818560038, 9999037577 *(July)*

★ **Arnav Jain** (Manglik) S/o Sh. Deepak Jain, DoB 7.10.1990 (at 11:40 am, Ajmer), Height- 5'-7", Education- B.Tech (Mech.), Service : A.EN. RVUNL, Chhabra Thermal Power Plant, Raj., Gotra : Self- Nageswaria, Mama- Rajoria, Contact : Near Jain Mandir, Balupura Road, Adarsh Nagar, Ajmer, Mob.: 8003504472, 9413050273, Ph.: 0145-2441823 *(July)*

★ **Sparsh Jain,** DoB 16.08.1991 (at 4:30pm, Kherli), Height- 5'-4", Education-M.Com & Company Secretary, Job : Company Secretary & Compliance Officer working in M/s.Dhabriya Polywood Ltd., Malviya Industrial Area, Jaipur, Gotra : Self- Kotiya, Mama- Dhati, Contact : S.K.Jain, B-48, Vidhya Nagar, Jagatpura, Jaipur, Mob.: 96602 55730, 78773 26965 *(July)*

★ **Alankrit Jain** S/o Jagdish Prasad Jain, DoB 04.08.1990 (at 03:12 PM, Agra), Height 5'-11", Education B.Com, Occupation : Own Business (Trading of Imported Tin Plate Sheets & Manufacturing of Tin Factory Product), Income: 8 to 10 LPA, Gotra : Self- Salavadia, Mama- Deveriya, Contact : F-823/6, Kamla Nagar, Agra, Mob.: 9412261738, Email : atc1987@rediffmail.com *(July)*

★ **Kapil Kumar Jain** (Sonu) S/o Sh. Dinesh Chand Jain, DoB 12.12.1993 (at 11:30 am, Jaipur), Height 5'-5", Education : Polytechnic Diploma (Mechanical Engineering + Graduate in B. A and Computer Diploma), Occupation : Working in Hevalls India Pvt. Ltd. in Alwar, Income 2.40 LPA, Gotra : Self- Kher, Mama- Nangesariya, Contact : H.No. 245, Shiv Colony, Mehandipur Balaji (Dausa), Mob.: 8955011011, 9829428416, 9784761984 *(July)*

★ **Prayansh Jain** S/o Sh. Prakash Chand Jain, DoB 27.02.1994 (at 8:10 PM, Alwar), Height 5'-8", Education- B.Tech (JECRC Jaipur), Occupation- Software Engineer in Infosys Ltd, Chandigarh, Package : 4.5 LPA, Gotra : Self- Nageshwaria, Mama- Badwasia, Contact : Jain Tyres, 9, Bapu Bazar, Alwar, Mob.: 9829215414 *(July)*

★ **Himanchal Jain** S/o Sh. M.L. Jain, DoB 14.06.1994, Height - 5'-7", Education- B.Tech. (LNMIIT Jaipur), Occupation- Data Engineer at Amazon, Bangalore, Contact : 22, Olive Homes, Mansarovar Extension, Jaipur, Mob.: 9340940882, 9694943663 *(July)*

★ **Arihant Kumar Jain** (Talakshuda) S/o Sh. Trilok Chand Jain, DoB 10.02.1987 (at 5 AM, Hindaun City), Height- 5'-11", Education- Diploma in Electrical (ITI), JOB- Govt. Job- JVVNL Working as Technician in Vidyut Bhawan, Jaipur, Package- Rs. 4.50 LPA, Gotra : Self- Chorbambar, Mama- Behtariya, Contact : 744-A , Devi Nagar, Gali No. 7, Sodala, Jaipur, Mob.: 9461483440, 9664203746 *(July)*

★ **Himanshu Jain** S/o Sh. M.M. Jain, DoB 08.06.1994, Height- 5'-7", Education- CA, B.Com., Occupation- Self Employed (Practice), Gotra : Chandpuriya, Office : Anuj Plaza, Belanganj, Agra, Resi.: Dhuliaganj, Agra, Mob.: 9412372816, 9412315497 *(July)*

★ **Puru Jain** S/o Sh. Anil Kumar Jain, DoB 23.05.1992 (at 3:20 am, Kota), Height- 5'-8", Education- B.Tech (CS), Occupation- Associated Engineer in Elenjical Solution (South Africa) Company at Mumbai, Package- 18 LPA, Gotra : Self- Gandharve, Mama- Baroliya, Contact : Ekta Cottage, United Colony, Opp. Petrol Pump, Station Road, Kota Jn., Mob.: 9460813350, 9460813349 *(July)*

★ **Nivesh Jain** S/o Sh. Ashok Jain, DoB 07.08.1995, Height 5'-6", Working in Punjab National Bank at Tizara, Gotra : Ambia, Mittal, Contact : 1/225, Kala Kua Housing Board, Alwar, Mob.: 9413739054, 9950087666, 9413455347 *(July)*

★ **Sameer Jain** S/o Sh. Ashok Jain, DoB 20.11.1986 (at 10:10AM, Alwar), Height- 6 ft., Education- B.Tech (IT) Branch, Occupation- IT Professional in Jaipur, Gotra : Self- Mastdengiya Choudhary, Mama- Sarngdengiya, Contact : 422, Lajpat Nagar, Alwar-301001, Mob.: 9461334271, 9413024271, Email : ashokjainschalwar@gmail.com *(July)*

★ **Arpit Jain** S/o Sh. Narendra Kumar Jain, DoB 12.09.1992 (at Jaipur 8:31 AM), Height 5'-7", Education- M.Tech (VLSI) NIT Bhopal 2017, Occupation- Engineer at Hyderabad (Synopsys), Income- 15 LPA, Gotra : Self- Ledoria, Mama- Bayania, Contact : Ward No. 7, Kherli, Alwar, Mob.: 9413907815, Email : arpitkherli@gmail.com *(July)*

★ **Sumit Jain** S/o Sh. Lochan Das Jain, DoB 05.06.1991 (at 7:30 pm, Morena), Height- 5'-9", Fair Complexion, Education- BE (Mech.) from IET (Devi Ahilya Vishwavidyalaya, Indore), Occupation- Auditor in Ministry of Defense (Finance), Package 6.5 LPA, Gotra : Self- Baribar, Mama- Kashmiria, Contact : Near K.S Mill, Nainagarh Road, Morena (M.P), Mob.: 8463022852, 9755284934 *(July)*

★ **Arpit Jain** S/o Sh. Vikash Chand Jain, DoB 25.12.1991, Height 5'-8, Education- B.Tech. (EC), Occupation- Project Manager in IT Company at Jaipur, Package- 8.5 LPA & Recently Started of Own Digital Marketing Company along with job), Gotra : Self- Athbarsia, Mama- Sarangdagia, Contact : D-9/140, Chitrakoot Colony, Near Vaishali Nagar, Jaipur, Mob.: 9413394136 *(July)*

★ **Ankur Jain** S/o Sh. R.C. Jain, DoB 11.07.1988, Height- 5'-11", Education- B.Tech., Electronics & Communication, Job- Software Engineer at Noida, Income- 16 LPA, Gotra : Self- Pavatia, Mama- Saraf, Contact : 1-D-17, Chopasni Housing Board, Jodhpur-342008, Mob.: 9828453230, Email : jain21rc@gmail.com *(July)*

★ **Mohit Jain** S/o Sh. Anil Jain, DoB 14.11.1987 (at 4:25 am, Delhi), Height- 5'-5", Education- BBA,

MBA, Master Diploma of BI French Language, Job- Amezon in Banglore, Income- 12 LPA, Gotra : Barolia, Contact : 5381, Laddu Ghati, PaharGunj, New Delhi, Mob.: 8851950111, 9899030316 *(July)*

★ **Ropil Jain** S/o Sh. Vimal Chand Jain, DoB 05.10.1990 (at Bharatpur), Height- 5'-6", Education- B.Tech. (E.C.E.), Job- Working as Developer in Yanoo Software, Jaipur, Income- 3 LPA, Gotra : Self- Kher, Mama- Behataria, Contact : Near Jain Mandir, Goverdhan Moad, Deeg, Bharatpur, Mob.: 9413160941, 9509056123, 9079856774 *(July)*

★ **Rahul Jain** S/o Sh. Roop Chand Jain, DoB 05.05.1993 (at 7:15 am, Agra), Height- 5'-8", Fair Complexion, Education- MBA, B.Com, Occupation- Deputy Sales Manager (Tata Capital Financial Services Ltd., Agra), Gotra : Self- Kotiya, Mama- Khair, Contact : 5E/18, Ashok Vihar, 100 Feet Road, Sahaganj, Mob.: 9358685310, Email : rjain7137@gmail.com *(July)*

★ **Animesh Jain** S/o Sh. Rajiv Jain, DoB 05.02.1995 (at 04:13 am, Bundi), Fair Complexion, Height- 5'-9", Education- B.Tech. (Civil), Occupation- Business- Real Estate Developer & Operating Unit of Milk Bye Products (Nirmal Dairy, Bundi), Gotra : Self- Chorbambar, Mama- Rajoriya, Contact : Gurunanak Colony, Near Transformer, By Pass Road, Bundi- 323001 (Raj.), Mob.: 8619989358, 7568860111, Ph.: 0747-2442672, Email : animeshjain.1995aj@gmail.com *(July)*

★ **Paras Jain** S/o Sh. Dinesh Chand Jain, DoB 01.12.1991 (at 1 :52 pm), Height- 6Ft., Education- M.Com ,LL.B, PG Diploma (Forensic Science), Pursuing LL.M, Job- Practicing in High Court Jaipur with Senior Lawyer, Gotra : Self- Rajoriya, Mama- Kashmiriya, Contact : F-21 , Baroli House, Nandpuri -F, Hawa Sadak, 22 Godam, Jaipur, Mob.: 9352340 86, 9636934833, E-mail : parasjain202@gmail.com *(July)*

★ **Nelabh Kotiya** S/o Sh. Peeyush Kotia, DoB 13.10.1994, Height- 5'-7", Fair Complexion, Educational : B.Tech (Computer Science) from JSS Academy, Noida, Occupation- Sr. Software Engineer working in India Mart.com, Noida, Package- 12 LPA, Gotra : Self- Kotia, Mama- Vairashtak, Contact : 131, Suncity Colony, Roorkee Road, Near Dorli, Meerut (U.P.)-250001, Mob.: 7060070025, 7060072525, Email : peeyushkotia@gmail.com *(July)*

★ **Ajay Jain** S/o Sh. Ashok Jain, DoB 01.07.1987, Height- 5'-6", Occupation- Wholesale & Retail Business, Gotra : Self- Nangeshriya, Mama- Bohrangdangiya, Contact : Opp. Govt. Hospital, Garhi Sawai Ram, Tehsil Reni, Dist. Alwar, Mob.: 9950019240, 8003129612 *(July)*

★ **Arpit Jain** S/o Sh. Mahavir Prasad Jain (Pathwari, Agra), DoB 29.10.1990, Height- 5'-5", Education- BCA, MCA, Occupation- Software Engineer in Ranosys Technology Jaipur, Income- 6 LPA, Gotra : Self- Barolia, Mama- Viyania, Mob.: 9411925944, Email : arpitjain901579@gmail.com *(July)*

★ **Gourav Jain** S/o Sh. Bhagchand Jain, DoB 15.11.1991, Height- 5'-8", Education- B.Com, MBA (Marketing), Occupation- Working with V5 Global Services Pvt. Ltd. (Project- Lenovo Laptop), Gotra : Self- Bhadkoliya, Mama- Mahatiya, Contact : Shree Anoop Electricals, Kathumar Road, Kherli, Alwar, Mob.: 8949119922, 9414796449 *(July)*

★ **Saurabh Jain** S/o Sh. Om Prakash Jain, DoB 24.12.1989, Height- 5'-8", Education- MCA, Occupation- Business (Software Development & Digital Signature), Gotra : Self- Kotia, Mama- Kher, Contact : 104, Sitaram Vihar, Patrakar Colony, Mansarovar, Jaipur, Mob.: 9928529444, 9785566636 *(July)*

★ **Ravi Jain** S/o Sh. Sheetal Chand Jain, DoB 18.12.1994 (at 4:30 PM), Height- 5'-10", Education- M.Com, Occupation- Business, Contact : K-2nd, Sangam Vihar, Mob.: 8368076459, Email : ravijain181294@gmail.com *(July)*

★ **Jambu Kumar Jain** S/o Sh. Shanti Kumar Jain, DoB 09.12.1991 (at 2:5 AM, Bharatpur), Height- 6Ft., Education- Diploma Civil Engineer, Job- Construction Company in Beawar, Salary- 5,40,000 per annum, Gotra : Self- Choudhary Mastang Dangiya, Mama- Kashmeriya, Contact : A-2/5/22, Dwarkapuri, Sector 26, Pratap Nagar, Sanganer, Jaipur, Mob.: 9252748705, 8505092084 *(July)*

★ **Satyam Jain** S/o Sh. Bholaram Jain, DoB 08.7.1993 (at 1:42 AM, Joura), Height- 5'-6", Education- BBA, MBA (Marketing), Occupation- Wholesale & Retail Medical Shop, Income- 12 LPA, Gotra : Self- Nagesuriya, Mama- Dangya, Contact : Bhola Pansari Ki Dukan, Joura, Dist. Morena, Mob.: 9425757414, 8085125851, 9893359596 *(July)*

★ **Rohit Jain** S/o Sh. Rajesh Kumar Jain, DoB 08.7.1992 (at 00:58 AM, Ashok Nagar (MP)), Height- 5'-11", Education- B.E. (J.P. Institute of Technology, Noida), Gotra : Self- Rajoriya, Mama- Kher, Contact : M/s. Hukamchand Omkarlal Jain, Subhash Ganj, Ashok Nagar-473331 (M.P.), Mob.: 9425191921, 9425131921, Ph.: 07543-222321, Email : hopaliwal_21@yahoo.co.in *(July)*

★ **Anurag Jain** S/o Sh. Pramod Kumar Jain, DoB 30.03.1991 (at 7:47 PM, Hindaun), Height- 5'-7", Education- B.Tech. (Computer Science), Job- Training & Quality Manager in HDFC Bank, Jaipur, Income- 8 LPA, Gotra : Self- Divarya, Mama- Nangeshwariya, Contact : B-62, Suman Vihar-III, Balita Road, Kunhari, Kota, Mob.: 9414939400, 9414640520 *(July)*

★ **Palak Jain** S/o Sh. Ashok Kumar Jain, DoB 19.11.1991 (at 2:35 PM), Height 5'-7", Education- B.Com., MBA, Service- Working as a Process Analyst in (TCS) Tata Consaltancy Service, Ahmedabad, Package- 4.20 LPA, Gotra : Self- Baderia, Mama- Barolia, Contact : 1724, Sector 7,

Avas Vikas Colony, Bodla, Agra-282007, Mob.: 9319179796, 9758010189 *(July)*

★ **Divesh Jain** (Manglik) S/o Sh. Gian Chand Jain, DoB 29.06.1994 (at 6:15 pm), Height 5'-3", Education- Post Graduate (MCA), IGNOU, Occupation- Senior IT Engineer at Taj Hotel, Delhi, Gotra : Self- Mimunda, Mama- Vijeshwari, Contact : RZE-58, Raj Nagar Part II, Dada Dev Road, Palam, New Delhi-110077, Mob.: 9891394006, 9718869534 *(Aug.)*

★ **Rahul Jain** S/o Sh. Ashok Kumar Jain, DoB 26.05.1993, Height 5'-6", Education- B.Tech (Electronics and Communication Engeeringing from IET Alwar), Occupation- Branch Co-operation and Service Manager (Assit. Branch Manager) AU Small Finance Bank, Calgiri Road, Malviya Nagar, Jaipur, Salary- 6 LPA, Gotra : Self- Aathvarshiya, Mama- Baroliya, Contact : (1) Village Post- Alipur, Teh.- Bhushawar, Distt. Bharatpur (Raj.), (2) 74-A, Rajendra Nagar, Niwaru Road, Jhotwara, Jaipur, Mob.: 9251269772, 8003275810, Email : rahulg.jain8@gmail.com *(Aug.)*

★ **Sheetal Kumar Jain** S/o Late Sh. Prakash Chand Jain, DoB 15.11.1992 (at Gangapur City), Height 5'-5", Education- M.Com, Occupation- Departmental Store, Income 3 LPA, Gotra : Self- Kotiya, Mama- Chiliya, Contact : Nehar Road, Infront of Rewa Mill, Gangapur City, Mob.: 8385836241, 9024283356, 9829300745, Email : jsheetal89@gmail.com *(Aug.)*

★ **Amit Kumar Jain** S/o Sh. Teekam Chand Jain, DoB 20.11.1990 (at 2:45 am, Mandawar (Dausa), Height 5'-9", Education- MA, M.Ed., Profession- 3rd Grade Teacher, Selected as Senior Teacher in RPSE 2nd Ggrade 2018, Gotra : Self- Kotiya, Mama- Boderiya, Contact : Deepesh Bawan, Street Beside Bohra Marriage Home, Kumher Road, Katra Nadbai, Bharatpur, Mob.: 8058221775, 8619640847 *(Aug.)*

★ **Vishal Jain** S/o Sh. Suresh Chand Jain, DoB 03.09.1991 (at 1:30 AM, Delhi), Height 5'-7", Education- MBA and M.Com, Occupation- Finance Analyst in Sales Press Pvt. Ltd., Gotra : Self- Aameshwari, Mama- Maimunda, Package 3 LPA, Contact : WZ-1194, Palam Village, Near Dwarka, Sector-7, New Delhi-110045, Mob.: 9810512673, 8851219241 *(Aug.)*

★ **Ansul Jain** S/o Sh. Pushpendra Jain, DoB 14.03.1994 (at 9:12 AM, Agra), Height- 5'-11", Education- B.Com., Occupation- Business (Readymade and Book Store), Gotra : Self- Salwadia, Mama- Maimuda, Contact : Midakur (Agra), Mob.: 9410006648, 8445463430 *(Aug.)*

★ **Rishi Jain** S/o Sh. Prawal Kumar Jain, DoB 22.01.1991 (at 1:03 PM, Mainpuri), Height- 5'-7", Education- B.Com., Occupation- Photostate, Multicolour Printing and All Types of Printing Works, Contact : 91/60, Saraogyan, Karhal Road, Mainpury (UP), Pin-2005001, Mob.: 8218887103, 9634425990 *(Aug.)*

★ **Ankit Jain** S/o Sh. R. K. Jain, DoB 24.06.1992 (at 8:45 AM, Agra), Height 5'-7", Education- MBA, Gotra : Self- Sarang, Mama- Kotia, Occupation- Girnar Self Education Service Pvt. Ltd. Gurugaon as Executive, Salary- 4 LPA, Contact : G-519, Kamla Nagar, Agra, Mob.: 9412487579, 7983533361 *(Aug.)*

★ **Abhinav Jain** S/o Sh. Ashok Kumar Jain, DoB 07.06.1993 (at 5.45 pm, Karauli), Height 5'-6", Education- B.Tech. (CS), Occupation- Software Engineer at Marketing Mindz Pvt. Ltd. Jaipur, Incom- 2.5 Lakhs, Gotra : Self- Rajoriya, Mama- Baroliya, Contact : Seth Godam, Karauli, or 264/49, Pratap Nagar, Sanganer, Jaipur, Mob.: 9460952470, 9461152595 *(Aug.)*

★ **Aditya Jain** S/o Sh. Sheetal Kumar Jain Advocate, DoB 25.12.1990 (at 1:00 am, Agra), Height 5'-8", Education- B.Tech & PG Diploma in Banking, Occupation- Assistant Manager in Axis Bank, Income- 4.48 LPA, Gotra : Self- Bugala, Mama- Salavadia, Contact : House No. 150, Bhudara Bazar, Karauli, Rajasthan, Mob.: 9460913709, 9461455353, 9413886798, Email : adijain19@gmail.com *(Aug.)*

★ **Neeraj Jain** S/o Late Sh. Jagdish Chand Jain, DoB 15.02.1993 (04:08 pm, Gangapur City), Height- 5'-10", Education- Post Graduate, Occupation Business Manager at Aavas Housing Finance Ltd., Income- 4.5 LPA, Gotra : Self- Nagesuriya, Mama- Rajoriya, Contact : G-1, Prempush Colony, Ridhi Shidhi, Jaipur, Mob.: 9460124713, 7303692848, 9983671716 *(Aug.)*

★ **Nikhil Jain** S/o Sh. Arun Jain, DoB 28.08.1990, Height- 5'-10", Education- BBA, MBA, Occupation- Business (Roto Printed Products and Iron Fabrication Unit), Gotra : Self- Nageshwariya, Mama- Badbasiya, Contact : Deewan Ji Ka Bagh, Scheme No. 10 (B), Alwar-301001, Mob.: 9414017043, Email : arunjain.alw@gmail.com *(Aug.)*

★ **Rahul Jain** S/o Sh. Sheel Chand Jain, DoB 19.08.1990 (at 5:00 pm), Height 5'-9", Educational- M.Com. from IGNOU, Occupation- Working in Magic Auto Pvt. Ltd. (Maruti Authorised Dealership) as a Team Manager, Package 5.25 LPA, Gotra : Self- Mundare, Mama- Ved Varashtak, Contact : RZG-98-B, 1st Floor, Gali No. 6, Near Shyam Mandir, Rajnagar Part-II, Palam Colony, New Delhi-110077, Mob.: 9718967990, 9911218537, Email : rrjain619@gmail.com *(Aug.)*

★ **Arihant Jain** S/o Sh. Rajendra Jain, DoB 06.03.1994 (at 12:39 pm, Morena), Height 5'-4", Education B.Sc., Occupation- Business, Income 8.40 LPA, Gotra : Self- Vedhre, Mama- Chandpuria, Contact : Rajendra Jain (Metal Merchant), Sarafa Bazar, Morena (M.P.), Mob.: 9074301610, 9425750554 *(Aug.)*

★ **Gourav Jain** S/o Sh. Bhagchand Jain, DoB 15.11.1991, Height 5'-8", Education- B.Com, MBA

(Marketing), Occupation- Working with V5 Global Services Pvt. Ltd (Project- Lenovo Laptop), Gotra : Self- Bhadkoliya, Mama- Mahatiya, Contact : Shree Anoop Electricals, Kathumar Road, Kherli, Alwar, Mob.: 8949119922, 9414796449 *(Aug.)*

★ **Mohit Jain** S/o Sh. Mahendra Kumar Jain, DoB 03.05.1990 (at 5:54 AM, Shivpuri M.P.), Height 5'-5", Education- PGDCA, Occupation- Self Business (Online Services) Firm: Shri Krishna Enterprises, Gwalior, Income 8 LPA, Gotra : Self- Mahila, Mama- Rajoriya Contact : M.K. Jain (LIC), Flat No. 202, Gokuldham Niwas, Udaji ki Payga, Janakganj, Lashkar, Gwalior, Mob.: 9329237905, 7067810928 *(Aug.)*

★ **CA. Akhlesh Jain,** DoB 26.09.1989, Education- Chartered Accountant, Occupation- Working in Airports Authority of India (PSU Under Central Govt.) Present Posting at Surat Airport (Gujarat), CTC 14 Lakhs, Gotra : Self- Aameshwariya, Mama- Chorbhamar, Contact : 1-D, Ram Vihar, Near Subodh Public School, Sanganer, Jaipur, Mob.: 8619357171, 9461210084 *(Aug.)*

★ **Sudhir Jain** S/o Sh. Sumer Chand Jain, DoB 17.03.1988 (at Alwar), Height 5'-11", Eduaction- M.Com., MBA, LLB, Occupation- Working in NBC Bearings, Jaipur (C.K. Birla Group), Gotra : Self- Sangarwasiya, Mama- Chaudhary, Contact : Sh. Sumer Chand Jain, Plot No. 213, Vivek Vihar, Scheme No. 10A, Distt. Alwar-301001 (Raj.), Mob.: 9982154002 *(Aug.)*

★ **Abhishek Jain** S/o Sh. Mahesh Chand Jain,DoB 08.11.1988 (at 11:17 pm, Jaipur), Height 5'-11", Education B.Com, M.Com, MBA (Finance), CA Final (pursing), Occupation- Working as Credit Manager in AU Small Finance Bank Ltd., Jaipur, Income 5.50 LPA, Gotra : Self- Baroliya, Mama- Sangarwasi, Contact : B-262, Hari Marg, Malviya Nagar, Jaipur-302017, Mob.: 9414044422, 9414775486, Email : maheshjn8@gmail.com *(Aug.)*

★ **Bhupesh Kumar Jain** S/o Sh. Vimal Chand Jain, DoB 17.09.1991 (at 4:55 am, Alwar), Height- 5'-8", Education- B.Tech (ECE), RS-CIT, Occupation- Junior Associate SBI Bank Bhavnagar, Gujarat, Gotra : Self- Mastang Dangiya Chaudhary, Mama- Baroliya, Contact : VPO Barodakan (Laxmangarh), Distt. Alwar-321607, Mob.: 9413585389, 9079754722 *(Aug.)*

★ **Aman Jain** S/o Sh. Anil Kumar Jain, DoB 16.06.1994 (at Alwar), Height 5'-10", Education : B.Tech (Electronic & Communication) , Occupation- Working as a Designing Engineer A.K. System Engineers Pvt. Ltd. at Noida, Gotra : Self- Ambia, Mama- Borandangia, Contact : Deewan Chowk, Baderia Pari, Alwar-301001, Mob.: 9413909628, 6375132872 *(Aug.)*

* * * * *

'रिश्ता' सिकुड़ जाये, तो सीमित है।
'रिश्ता' थोपा जाये, तो बोझ है।
'रिश्ता' जताया जाये, तो संकोच है।
'रिश्ता' बोया जाये, तो उन्नत है।
'रिश्ता' काटा जाये, तो कुण्ठित है।
'रिश्ता' कट जाये तो हारा पथिक है।
'रिश्ता' थम जाये, तो बंद सांस है।
'रिश्ता' बहता जाये, तो जीने की आस है।
'रिश्ता' मांगता है, तो लालच है।

जीवन के गणित में
मित्रता को जोड़ने वाली
दुश्मनी को घटाने वाली
अच्छाईयों को गुणन करने वाली
एक अद्‌भुत संजीवनी बूटी
जीना आये तो जिन्दगी
वर्ना . . . . .
आज मनुष्य को सब कुछ आता है
सिवाय जीने के
सिर्फ गुजर-बसर का नाम जिंदगी नहीं
भलाई की है यह जिन्दगी
अपने शेष जीवन को विशेष बनाने हेतु
अब जिन्दगी को संभाल लो - सुधार लो

'रिश्ता' अनकहा है, तो कोरा कागज है।
'रिश्ता' बनावटी है, तो शून्य है।
'रिश्ता' सजावटी है, तो न्यून है।
'रिश्ता' एकतरफा है, तो आफत है।
'रिश्ता' मनचाहा है, तो चाहत है।
'रिश्ता' सिसकता है, तो आगे तूफान है।
'रिश्ता' भटकता है, तो दिल में उफान है।

-डॉ. कविता जैन
लक्ष्मीपुरम्, कोटा

मन क्या है ?

मन का सरल शब्दों में अर्थ है मन को उल्टा करो तो नम हो जाता है। इसका अर्थ है कि यदि मन को आपने अपने वश में कर लिया तो आपने सारे जहाँ को वश में कर लिया। मन को झुकाना या नमाना यह आपके ऊपर निर्भर करता है। मन तो बहुत चंचल है। मन की उड़ान बहुत लम्बी है। मन एक पल में लाखों किलोमीटर की उड़ान भर लेता है। मन को आज तक कोई भी वश में नहीं कर सका और न कर सकेगा।

मन को गर कोई वश में कर पाया तो वे हैं साधु सन्यासी, ऋषि, मुनी, जो एकांत में रहकर, जंगलों में रहकर साधना करते हैं। भूखे–प्यासे रहकर आत्मा का कल्याण करते हैं, तथा दूसरों का भी कल्याण करते हैं।

ऐसे ऋषि–मुनी, साधु–संत जो हजारों सालों से जंगलों में रह रहे हैं तथा घोर तपस्या कर आत्म कल्याण कर रहे हैं। जो साधु–सन्यासी संसार त्यागकर, घर–बार त्यागकर जंगलों में तपस्या करने चले गये हैं, ऐसे सभी साधुओं संतों को ही सिद्धियाँ मिलती हैं। सभी साधु–संतों ने अपना सारा जीवन त्याग तपस्या के द्वारा ईश्वर को समर्पित कर दिया है।

कुछ धर्मात्माओं ने या सिद्ध पुरूष ने अपने मन को वश में कर परमात्मा का स्थान ले लिया है। लेकिन कोई साधारण मनुष्य अपने मन को कभी भी वश में नहीं कर सकता है। मन को वश में करना लोहे के चने चबाने के समान है। जिन लोगों ने मन को वश में कर भी लिया ऐसे सभी लोग ईश्वर के नजदीक हैं। मन को जीतना बहुत मुश्किल है। जिस प्रकार घोड़े की लगाम घुड़सवार के पास रहती है वैसे ही मन की लगाम आत्मा के पास रहती है। शरीर की पाँचों इन्द्रियाँ मन के अधीन हैं। जैसे मन चाहता है, वैसे ही शरीर की पाँचों इन्द्रियाँ उसके ईशारे पर नाचती रहती हैं। उदाहरण के बतौर मदारी बंदर को नचाता रहता है, उसी प्रकार यह मन शरीर की पाँचों इन्द्रियों को निरन्तर चौबीस घण्टे पाप करवाता रहता है। पाँचों इन्द्रियों का उल्लेख में नीचे कर रहा हूँ–

1.अचक्षु इन्द्रिय
2. कर्ण इन्द्रिय।
3. घुण इन्द्रिय।
4. रसना इन्द्रिय।
5. स्पर्शन इन्द्रिय।

पाँचों इन्द्रियाँ अपना–अपना कार्य करती रहती हैं। सभी पाँचों इन्द्रियाँ मन के अधीन होकर निरन्तर पाप करवाती रहती हैं।

(1) चक्षु इन्द्रिय देखने का कार्य करती है, उस पार आकारून, सुन्दर लड़की, सुन्दर चीजें दिखाकर मनुष्य को जाल में फंसा देती है, तथा पाप के सागर में डूबो देती है।

(2) घृण इन्द्रिय वस्तुओं को सूंघने का कार्य करती है। घृण इन्द्रिय यह बताती है कि, कौन सी वस्तु की सुगंध कैसी है और कहाँ से आ रही है, तथा कौन सी वस्तु की दुर्गंध आ रही है। यह सब घृण इन्द्रिय का कार्य है। उदाहरण के लिये तुमको चलते–चलते किसी जगह पर रातरानी, गुलाब, चम्पा, चमेली की सुगंध आ रही हो तो तुम उस सुगध की तरफ आकर्षित होकर वहाँ चले जाओगे।

(3) कर्ण इन्द्रिय का कार्य सुनना होता है। अच्छी, बुरी, मीठी, सुरीली आवाज सुनना कर्ण इन्द्रिय का काम है। कभी–कभी मन सुरीली आवाज का ऐसा जाल फेंकता है कि, लोग उस सुरीली आवाज के जाल में फंस जाते हैं तथा पाप कर्म कर बैठते हैं। उदाहरण के लिये किसी लड़की की आवाज सुरीली, मीठी कर्ण इन्द्रिय को सुनाई दी तथा वह व्यक्ति उसकी ओर आकर्षित हो गया, एवं उसकी सुन्दरता के जाल में फंस गया, ऐसा कर्ण इन्द्रिय का कमाल है।

(4) रसना इन्द्रिय शरीर की सबसे खतरनाक इन्द्रिय है, जो सीधे नरक पहुँचाती है, यदि उसको अपनी इच्छा के दायरे में नहीं लिया तो। वैसे तो सभी इन्द्रियाँ चाहें चक्षु इन्द्री हो या कर्ण इन्द्री हो सभी इन्द्रियाँ मन के

अधीन होकर नाना प्रकार के पाप कराती रहती हैं।

रसना इन्द्रिय बहुत खतरनाक इन्द्रीय है जो जिहा के द्वारा अच्छी, बुरी चीजों का स्वाद कराती है। मनुष्य जाने–अनजाने में सभी वस्तुएँ चाहें वो खाने योग्य हों या न हों सभी वस्तुओं का सेवन कर लेता है। मनुष्य को मालुम है शराब से स्वास्थ्य खराब होता है तथा मांस सेवन करने से भी स्वास्थ्य खराब होता है यह सब रसना इन्द्रिय के कारण होता है। शहद, मांस, शराब ये तीनों चीजें सभी धर्म के अनुसार वर्जित हैं तथा मन हमेशा आत्मा को गुमराह करता रहता है। आत्मा का सलाहकार विवेक ही है जो मनुष्य को सही मार्ग दिखाता रहता है। मन हमेशा बुद्धि को चलायमान रखता है और पापकर्म करवाता रहता है। मन आत्मा को भी उलझाता रहता है। आत्मा के अंदर बैठे दो और सलाहकार हैंः–

प्रथम सलाहकारः– जो आत्मा को समय–समय पर सही मार्गदर्शन दे।

द्वितीय सलाहकारः– आत्मा का दूसरा और सही सलाहकार या सही मार्गदर्शक आत्मा का विवेक है, जो आत्मा को ज्ञान का प्रकाश दिखाता रहता है।

आत्मा का जो ज्ञान है वही आत्मा का स्वभाव भी है। आत्मा में बैठे विवेक रूपी सलाहकार आत्मा को ज्ञान रूपी सलाह देते रहते हैं, तथा आत्मा को अज्ञानता रूपी अंधकार से दूर रखते हैं।

बुद्धि का मन से बहुत गहरा संबंध है, जैसे मन चलायमान होकर बुद्धि द्वारा शक्ति लेकर कहीं भी उडान भरता रहता है। बुद्धि बहुत चंचल होती है। मन के अधीन बुद्धि होती है जो मन के कहने से भ्रमित होकर पाप कार्यों में संलग्न रहती है।

विवेक आत्मा में निवास करता है, तथा ज्ञान को जन्म देता है। बुद्धि मन में निवास करती है, तथा पाप कर्म कराती रहती है। जिसने अपनी इच्छाओं पर विजय प्राप्त कर ली, तथा इच्छाओं का दमन कर लिया, वही सच्चा मनष्य व साध सन्यासी है। सही अर्थों में योगी ईश्वर के अन्दर समाया रहता है, तथा भोगी संसार में सांसारिक भोगों में लिप्त रहता है। जिसने अपनी आवश्यकताओं को सीमित कर लिया है या अपने आप को संसार से धीरे–धीरे मुक्त कर रहा है या जो पूर्णरूप से त्यागी बन गया है या जिसने संसार को त्यागना शुरू कर दिया है वही सच्चे अर्थों में धर्मात्मा की श्रेणी में आता है। जिसने आत्मा निर्मल व शुद्ध बना ली हो तथा परमात्मा का अश बन गया हो या जिसकी आत्मा में परमात्मा का निवास हो गया हो ऐसा ही व्यक्ति परमात्मा बन सकता है।

मन ऐसी चिज है जो सदैव पाँचों इन्द्रियों से पापकर्म करवाती रहती है तथा उन कर्मों के फलस्वरूप चौरासी लाख योनियों में मनुष्य को भटकाती रहती है। गतियाँ चार प्रकार की होती हैं। प्रथम मनुष्य गति, द्वितीय पशु गति, तृतीय देव गति एवं चतुर्थ स्वर्ग गति मानी गई है, जिसमें मनुष्य रहट की तरह उपर–नीचे होता रहता है। चौरासी लाख योनी का जो झूला झूल रहा है वह कभी भी मुक्ति नहीं पा सकता है। ऐसे लोग हमेशा जन्म–मृत्यु के झूले में झूलते रहते हैं, उनका पापकर्मों से छुटकारा नहीं हो पाता है। मनुष्य हमेशा चारों गतियों में पापकर्म के द्वारा भटकता रहता है तथा हमेशा ही जन्म–मरण के सागर में गोते लगाता रहता है।

यदि मनुष्य चाहे तो अपनी गति सुधार सकता है। यदि मनुष्य ने अच्छे कर्मों के द्वारा ईश्वर को अपनी आत्मा में निवास कर लिया तथा प्रभू भक्ति के द्वारा ईश्वर को पा लिया तो मनुष्य का कल्याण हो सकता है। यदि वह धर्म एवं सत्मार्ग के मार्ग पर चले तो तभी उसका उद्धार हो सकता है। अन्यथा मनुष्य गति, नरक गति, पशु गति में ही भटकते रहेगा।

कभी भी मन पर भरोसा न करो क्योंकि, मन विश्वासघाती है, मन धोखेबाज है और किसी का सगा नहीं है।

यदि आप आत्मा का कल्याण करना चाहते हैं या ईश्वर मिलन के द्वारा ईश्वर को प्राप्त करना चाहते हैं तो आपको मन को वश में करना पडेगा। आत्मा स्वयं ही भक्ति के प्रभाव से परमात्मा बन जाएगी। मन पर यदि विजय प्राप्त करनी है तो मन को पाँचों इन्द्रियों सहित आत्मा से निकालना होगा। यही मन का रहस्य है, यही मन का सत्य है।

–राजेन्द्र कुमार जैन
4, सेठी नगर, उज्जैन

KOTSONS

POWER & DISTRIBUTION
TRANSFORMERS

Export Award Winners

ACHIEVED **100%** GROWTH IN A SINGLE YEAR

KOTSONS PVT. LTD.

(AN ISO 9001 : 2015 & ISO 14001 : 2015 CERTIFIED COMPANY)

Head Office and Unit-I
Alwar : 217A, 218 to 220 & 230A MIA,
Desula, Alwar-301030
Rajasthan, INDIA
Tel.: +91-144-2881210, 2881211
Email : kotsons@kotsons.com

Unit-II
Agra : C-21, U.P.S.I.D.C., Site-C,
Sikandra, Agra-282007,
U.P., INDIA
Tel.: +91-562-2641422, 264-1675
Email : kotsons@kotsons.com

Registered Office :
New Delhi : A-208 IInd Floor,
R.G. City Centre, Motia Khan,
Pahar Ganj, New Delhi-110055, INDIA
Tel.: +91-011-43537540
Email : kotsons@kotsons.com

DNV

Accredited by the RvA

ISO 9001 QUALITY CERTIFIED
CERTIFICATE No. QSC-3360

OHSAS 45001 : 2018

TRANSFORMING ELECTRICITY
EMPOWERING WORLD

RNI NO. RAJHIN/2012/47438 Postal Registration No. JAIPUR CITY/434/2019-21

RERA Registration No.
RAJ/P/2019/1054
www.rera.rajasthan.gov.in

Pearl
Build Trust & Loyalty

Pearl
FORTUNE
3 BHK Boutique Apartments

Your perfect home is now
at a landmark address.

16 Smart Home • 3 BHK • Vastu Friendly | Site : B-138, Mangal Marg, Bapu Nagar, Jaipur

Pearl
Build Trust & Loyalty

Pearl India Buildhome (P) Ltd.
"Pearl Suryavanshi", 401, A-5, Sardar Patel Marg,
C-Scheme, Jaipur - 302001 INDIA, Ph.: +91 141 4014044

Dr. Raj Kumar Jain +91 9414054745
Ar. Vijay Kumar Jain +91 9829010092

2 Decades of Excellence | 3600 Villas + Plots | More than 500 Apartments | 22 Pearl Tower | 6 Townships

PRINTED MATTER
If Undelivered, please return to
श्री चन्द्रशेखर जैन (संयोजक)
86, श्री विहार कॉलोनी होटल क्लार्क
आमेर के पीछे, जे.एल.एन. मार्ग,
जयपुर-302018 (राज.)

पत्रिका स्वामी - अखिल भारतीय पल्लीवाल जैन महासभा (रजि.) के लिए मुद्रक/प्रकाशक श्री चन्द्रशेखर जैन, 86, मंगल विला, श्री विहार कॉलोनी, होटल क्लार्क आमेर के पीछे, जे.एल.एन. मार्ग, जयपुर-302018 ने गणेश आर्ट प्रिंटर्स, जे-51, कृष्णा मार्ग, सी-स्कीम, जयपुर से मुद्रित, सम्पादक : श्री प्रकाश चन्द जैन।